

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 4

© 2020 , डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट अनुवाद पर पुराने नियम का इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र व्याख्यान संख्या 4 और उत्पत्ति अध्याय 1 का प्रारंभिक भाग पढ़ा रहे हैं।

प्रश्नोत्तरी तैयारी [0:0-5:57]

आइए हम समीक्षा करें कि हम गुरुवार को प्रश्नोत्तरी के लिए क्या कर रहे हैं। हमारे पास गुरुवार को एक प्रश्नोत्तरी है, प्रत्येक गुरुवार, प्रश्नोत्तरी, प्रश्नोत्तरी, प्रश्नोत्तरी। इस सप्ताह हम उत्पत्ति 26 से 50 पर काम कर रहे हैं। क्या हम यह सब सीख रहे हैं या बस क्या? - सूचीबद्ध कहानियाँ [अब किज़लेट प्रश्नों में]। पाठ्यक्रम में जो कहानियाँ सूचीबद्ध हैं, उन्हीं पर हम सामग्री पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सेलहैमर नाम के एक व्यक्ति का "कॉस्मिक मैप्स" पर एक लेख है। क्या आप उस लेख को सुनने के साथ-साथ पढ़ भी सकते हैं? आप इसे सुन सकते हैं, आप इसे पढ़ सकते हैं। लेख ऑनलाइन है। *हमारे पिता अब्राहम*, डॉ. विल्सन की पुस्तक, वहाँ कुछ पृष्ठ सूचीबद्ध हैं। पाठ्यक्रम में इसमें कुछ प्रश्न भी सूचीबद्ध हैं। आपको वो प्रश्न करने की जरूरत नहीं है। वे प्रश्न केवल आपकी सोच का मार्गदर्शन करने के लिए हैं। ये चिंतनशील प्रश्न हैं जो आपको इस बात पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं कि अध्याय किस बारे में है। तो प्रश्न केवल आपके लाभ के लिए हैं। आपको उन्हें सूचीबद्ध करने या उनका उत्तर देने या ऐसा कुछ करने की आवश्यकता नहीं है। कुछ स्मृति श्लोक हैं। सीखने के लिए हमेशा कुछ छंद होंगे। यह सप्ताह संपादक का सप्ताह है। आपको अपनी सामग्री संपादकों को भेजनी चाहिए थी, लेखकों को आपके प्रतिलेखन संपादक को भेजना चाहिए था। संपादक, इस सप्ताह गुरुवार को, इसे मेरे पास शूट करेंगे। संपादक को पूरी बात पढ़नी चाहिए। यदि संपादक को किसी से सामग्री प्राप्त करने में भी परेशानी हो रही है और उन्होंने अभी भी इसे शामिल नहीं किया है, तो इसे प्राप्त करें। यदि नहीं, तो आप इसे लिखें: इस व्यक्ति ने इसे बुधवार तक नहीं भेजा, और मुझे इसे चालू करना पड़ा गुरुवार को। मुझे मुद्रित प्रति नहीं चाहिए, इससे मुझे कोई लाभ नहीं होगा। मैं चाहता हूँ कि यह मुझे एक अनुलग्नक के रूप में ईमेल किया

जाए या सिर्फ नियंत्रण + ए के रूप में और पूरी चीज़ का चयन करें और इसे पेस्ट करें और ईमेल में डालें। वास्तव में इसे एमएस वर्ड अनुलग्नक के रूप में प्रस्तुत करना और अनुलग्नक के रूप में मुझे भेजना संभवतः बेहतर है। और कुछ? तो हम यही कर रहे हैं।

एक अन्य घोषणा के अनुसार, काइल बुधवार रात सात बजे यहां एक और समीक्षा सत्र करेंगे। यह सही है काइल? [हाँ।] ठीक है, हम अच्छे हैं। तो काइल 7-8 बजे तक यहां रहेंगे। हालाँकि यहाँ हितों का टकराव है। डॉ. पेरी फिलिप्स बिग बैंग व्याख्यान देने जा रहे हैं। वह विस्कॉन्सिन के मालोन में तूफान के कारण फंस गया था। वह बुधवार रात 7:15 बजे जेनक्स 237 में बिग बैंग करने जा रहा है। इसलिए यहां एक संघर्ष है, और आप या तो यहां आ सकते हैं और ऐसा कर सकते हैं या नीचे जाकर पेरी फिलिप्स को बिग बैंग पर चर्चा करते हुए सुन सकते हैं। वह ब्रह्मांड के निर्माण पर चर्चा करने जा रहे हैं, जो वास्तव में काफी दिलचस्प है। अब, मुझे हितों के इस टकराव से निपटने का एक रास्ता मिल गया है। मैं नीचे जा रहा हूँ और डॉ. फिलिप्स के व्याख्यान का वीडियो टेप करूँगा। अब समस्या क्या है? यदि आप डॉ. फिलिप्स को जानते हैं, तो क्या वहां रहना बेहतर होगा? यह ऐसा है जैसे आप U2 कॉन्सर्ट में जाना पसंद करेंगे या आप इसे किसी वीडियो पर देखना पसंद करेंगे? यह वहाँ होने जैसा ही नहीं है। तो मैं इसका वीडियो टेप करूँगा। मुझे एक सप्ताह दो; मुझे इसे संसाधित करना होगा। मैं इसे ऑनलाइन डालने का प्रयास करूँगा।

संपादकों के पास अपने ट्रांस्क्रिप्शन होने चाहिए और उन्हें इसमें शामिल करना चाहिए। यदि आपके कंप्यूटर या किसी अन्य चीज़ में कुछ गड़बड़ है और आप इसे पूरा नहीं कर सकते हैं तो मुझे ईमेल करें, मुझसे बात करें, लेकिन अन्यथा हम उसी के साथ आगे बढ़ेंगे। अब उपस्थिति पत्रक आसपास हैं। दूसरी बात अब पाठ्यक्रम सामग्री के लिए भुगतान करना है। अपना भुगतान मुझे प्राप्त करना याद रखें। इस सप्ताह के अंत में कीमत दोगुनी हो जाएगी इसलिए आप ऐसा करना चाहेंगे और चीज़ें मुझ तक पहुंचाना चाहेंगे। ठीक है, मुझे लगता है बस इतना ही। क्या किसी के पास कोई अन्य प्रश्न है? हां, वह कहती है कि अगर कक्षा में समय है, तो यह मेरी गलती है कि हमें समय निकालने की जरूरत है, इसलिए 4 के बाद 20 बजे मुझे इनमें से एक दें, एक तकनीकी समय समाप्त प्रकार के संकेत, और मुझे इस तरह कुछ दें और फिर हम जाएंगे बाइबिलरॉबिक्स के ऊपर।

ठीक है, आइए प्रार्थना के एक शब्द के साथ शुरुआत करें, और फिर हम आज के व्याख्यान में उतरेंगे। पिता, हम आपके प्रति आपकी दयालुता और अच्छाई के लिए और विशेष रूप से इस कक्षा में हमें आपके शब्दों को पढ़ने, अध्ययन करने और उस पर विचार करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद देते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि आप आज हमारी मदद करें क्योंकि हम उत्पत्ति 1 के कुछ विवरणों को समझते हैं। आपने वास्तव में सृष्टि में जो किया उससे दूर न जाने में हमारी सहायता करें, ताकि हम उन सभी विवरणों के बीच में दृष्टि न खो दें जिन पर हम जा रहे हैं, कि हम तेरे ऐश्वर्य और महानता को दृष्टि से न ओझल कर दें। क्योंकि हम जानते हैं, कि स्वर्ग तेरी महिमा का वर्णन करता है। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारी आंखों से, हमारे दिमाग से आपकी महिमा देखने में और यहां तक कि आज भी अपने बेटे की महिमा की रोशनी में चलने में हमारी मदद कर सकें जिसने हमसे प्यार किया और हमारे लिए अपना जीवन दे दिया। तो यह उसके नाम पर है कि हम प्रार्थना करते हैं, मसीह के नाम पर, आमीन।

समीक्षा [5:58-7:51]

पिछली बार जब हम बात कर रहे थे और अब तक के पाठ्यक्रम में, मैं पूरे पाठ्यक्रम का संक्षेप में वर्णन करना चाहता हूँ। हमने शुरू में यह दिखाने की कोशिश शुरू की कि ऐसे कारण हैं जिनकी वजह से लोग ईश्वर के अस्तित्व में विश्वास करते हैं। इसलिए हमने ईश्वर के अस्तित्व के विभिन्न प्रमाणों का अध्ययन किया। ऐसा नहीं है कि वे चीजों को 100% साबित करते हैं, बल्कि यह कि ईश्वर के अस्तित्व में विश्वास करने के कारण हैं। अब, एक बार जब हमारे पास भगवान है, तो भगवान ने बात की है। ईश्वर के बोलने की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है, जब ईश्वर बोलता है तो उसके लिए किस शब्द का प्रयोग किया जाता है? **प्रेरणा**। ईश्वर पैगम्बरों को प्रेरित करता है। इसलिए भगवान भविष्यवक्ताओं से बात करते हैं और हम इसे प्रेरणा कहते हैं।

अब जब परमेश्वर ने भविष्यवक्ताओं को प्रेरित किया और भविष्यवक्ताओं से बात की तो परमेश्वर के लोगों के साथ क्या हुआ? परमेश्वर के लोग पुस्तकें एकत्र करते हैं। अब पुस्तकों के संग्रह में एक हजार वर्ष से अधिक का समय लग जाता है। मूसा ने इसे 1400 ईसा पूर्व लिखा था, मलाकी 400 ईसा पूर्व लिख रहा है। वहां एक हजार साल का अंतराल है, इसलिए यहूदी लोग लंबे समय तक ईश्वर का वचन एकत्र कर रहे हैं। वे इसे एकत्र करते हैं और विभिन्न पवित्र स्थानों पर रखते हैं। क्या

अन्य लोग आते हैं और परमेश्वर के वचन को नष्ट करने का प्रयास करते हैं? बेबीलोनवासी आते हैं; वे हर चीज़ को जला देते हैं, उस तरह का विनाश। तो यहूदी उस पर काम कर रहे हैं, किताबें इकट्ठी हो जाती हैं। आधिकारिक पुस्तकों को एकत्रित करने की प्रक्रिया को **कैनोनाइजेशन कहा जाता है**। तो आपके पास संतीकरण की प्रक्रिया है जो आधिकारिक पुस्तकों का संग्रह और अनुमोदन है।

पुस्तकें एकत्र हो जाने के बाद उन्हें क्या करना होगा? आगे क्या होना चाहिए? उन्हें बार-बार कॉपी करना पड़ता है। इसे संचरण की प्रक्रिया कहा जाता है। **ट्रांसमिशन** किताबों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में कॉपी करवा रहा है। क्या नकल करने की प्रक्रिया में लेखक गलतियाँ करते हैं? जब आप वेन्नॉय, या पुटनम, या मैथ्यूसन सामग्रियों के लेखक थे तो क्या आपने गलतियाँ कीं? हाँ, इसीलिए आपके पास एक संपादक है। तो, हाँ, शास्त्री गलतियाँ करते हैं, और क्या वे गलतियाँ इसलिए करते हैं क्योंकि वे बुरे हैं? नहीं, वे गलतियाँ करते हैं क्योंकि वे इंसान हैं। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास किया।

अनुवाद की प्रक्रिया [7:52-9:38]

अब 2000 वर्षों तक शास्त्रियों द्वारा परमेश्वर के वचन की नकल करने के बाद इसका अनुवाद किस भाषा से किया जाना है? इसका हिब्रू, अरामी और ग्रीक से अंग्रेजी में **अनुवाद करना होगा**, ताकि हम इसे पढ़ सकें। उस प्रक्रिया को अनुवाद की प्रक्रिया कहा जाता है। मैं आज अनुवाद की प्रक्रिया को देखना चाहता हूँ। क्या अनुवाद में कुछ खो सकता है? क्षमा करें यदि हम फिल्म के शीर्षक का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन क्या अनुवाद में कुछ छूट सकता है? मुझे बस उदाहरण देने दीजिए: लड़का लड़की से कुछ कहता है, लड़की लड़के से कुछ कहती है, प्रश्न, अनुवाद में खो गया? तो आप सभी जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ। अब आप उसे हिब्रू में डालें। तो हमें जो मिला है वह कुछ इस तरह है और हम इसे रखने जा रहे हैं, और हम आज विभिन्न भाषाओं के बीच अनुवाद पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। क्या अलग-अलग संस्करण और प्रति-संस्करण चीज़ों का अलग-अलग अनुवाद करते हैं? क्या वे अनुवाद कैसे करते हैं इसके बारे में उनके पास अलग-अलग सिद्धांत हैं? इसलिए आज मैं जो करना चाहूँगा वह अनुवाद के विभिन्न सिद्धांतों पर चर्चा करना है। फिर मैं आपको कुछ अलग चीज़ें दिखाना चाहता हूँ और फिर मैं

वास्तव में आज उत्पत्ति अध्याय 1 की किताब पर काम करना चाहता हूँ, या कम से कम उस पर काम शुरू करना चाहता हूँ।

तो यहाँ हम पिछली बार थे। यहां प्रेरणा, विमुद्रीकरण, प्रसारण और अनुवाद की प्रक्रियाएं हैं। यह मूल रूप से ईश्वर की ओर से हमारे लिए आने वाली प्रक्रिया है और मुझे लगता है कि हमने पिछली बार इसके बारे में बात की थी। अब इस बार मैं जो करना चाहता हूँ वह अनुवाद पर थोड़ा काम करना है।

अनुवाद सिद्धांत: अनुवाद में गलतियाँ प्रो. 26:23 [केजेवी] [9:39-16:39]

क्या अनुवाद करने के अलग-अलग तरीके हैं? कौन सा सबसे अच्छा है? तो अलग-अलग सिद्धांत होंगे। कौन सा सबसे अच्छा है, हम किस दृष्टिकोण से खरीदारी क्यों करते हैं? क्या अनुवादक कभी गलतियाँ करते हैं? आइए इसे सामने रखें। क्या अनुवादक कभी गलतियाँ करते हैं? यहां किंग जेम्स संस्करण का उपयोग कौन करता है? क्या कोई किंग जेम्स व्यक्ति है? यहां आपके किंग जेम्स संस्करण में एक गलती है। अब आप कहते हैं, "हिल्डेब्रांड्ट आप वास्तव में मजबूत बन रहे हैं।" ये गलत है, गलत है। अब, वैसे, क्या किंग जेम्स संस्करण के प्रति मेरे मन में बहुत अधिक सम्मान है? हाँ, लेकिन सवाल यह है: क्या यह उत्तम है? उत्तर है: नहीं। यहां नीतिवचन अध्याय 26 श्लोक 23 का एक उदाहरण दिया गया है, यह किंग जेम्स संस्करण [केजेवी] में कहा गया है, "जलते होंठ और दुष्ट हृदय बर्तन के ठीकरे के समान हैं।" क्या आप जानते हैं कि बर्तन क्या होता है? इज़राइल में उन्होंने इन बर्तनों को मिट्टी से बनाया, मिट्टी के बर्तन, और कुछ समय के बाद मिट्टी के बर्तनों का क्या होता है? हाँ, मिट्टी के बर्तन फूट जाते हैं। तो आपको बर्तनों के ये टुकड़े मिल गए हैं जो मिट्टी के बर्तनों के टूटे हुए टुकड़े हैं।

तो "जलते होंठ और दुष्ट हृदय मिट्टी के ठीकरे के समान हैं," चाँदी के मैल से ढका मिट्टी का एक टुकड़ा। चाँदी का मैल, चाँदी का मैल क्या है? हम ऐसा नहीं करते। जब आप किसी धातु को शुद्ध करना चाहते हैं तो आप उसका क्या करते हैं, सोना या चाँदी? क्या आप इसे आग में डालते हैं और फिर इसमें बुलबुले बनाते हैं और इसे पिघलाते हैं और फिर इसका गूदा ऊपर आ जाता है। जो सामान सबसे ऊपर आता है उसका आप क्या करते हैं? आप शीर्ष पर मौजूद सभी गंदगी को हटा देते हैं। क्या यह आपकी धातु को शुद्ध करता है? आपको यह प्रक्रिया कई बार करनी होगी और

खराब सामान या गंदगी को खुरचते रहना होगा। तो वह चाँदी का मैल है। यह बुरी बात है कि आप अशुद्धियों को हटा देते हैं और इसे बर्तन पर रख देते हैं। आप बर्तन पर चाँदी का मैल डालते हैं, यह थोड़ा अजीब लगता है।

किंग जेम्स अनुवादकों ने सबसे पहले, कब अनुवाद किया? 1611. 1611 में दुनिया में क्या चल रहा था? 1620 के आसपास अमेरिका में क्या हो रहा था? विलियम ब्रैडफोर्ड नाम का एक लड़का था। क्या किसी को याद है कि विलियम ब्रैडफोर्ड ने आकर प्लायमाउथ बागान की स्थापना की थी? जून 1620 में, किंग जेम्स संस्करण के अनुवाद के नौ साल बाद हम बात कर रहे थे। वैसे, प्लायमाउथ बागान, क्या यह बहुत समय पहले का है?

तो यह पुरानी बात है और क्या किंग जेम्स अनुवादक सभी हिब्रू के विशेषज्ञ थे? हाँ, कई अनुवादक वास्तव में हिब्रू के विशेषज्ञ थे। प्रश्न, क्या वे हिब्रू के बारे में सब कुछ जानते थे? नहीं, किंग जेम्स अनुवादकों ने हमें परिचय में बताया, स्पष्ट रूप से, उन्होंने स्वीकार किया कि हम कुछ हिब्रू शब्दों को नहीं जानते थे। यह शब्द "सिल्वर मैल" बाइबल में केवल एक बार उपयोग किया गया है। इसमें दिक्कत क्या है? अर्थ किससे निर्धारित होता है? अर्थ क्या निर्धारित करता है? मैंने इसे कम से कम पचास बार कहा है। किसी शब्द का अर्थ क्या निर्धारित करता है? प्रसंग। जब यह शब्द केवल एक बार ही प्रयोग होता है तो इसमें समस्या क्या है? क्या आपको संदर्भ स्थापित करने में परेशानी हो रही है? यह शब्द केवल एक बार प्रयोग किया जाता है। तो किंग जेम्स अनुवादक, वे कुछ यहूदी लोगों के पास गए। उन्होंने कहा कि इस शब्द का मतलब क्या है? और कुछ यहूदी लोगों ने यह कहा और वे अन्य यहूदी लोगों के पास गए। इसका क्या मतलब है? उन्होंने उन्हें बिल्कुल अलग बात बताई। वे इन सभी अलग-अलग अर्थों के साथ समाप्त हुए। इस शब्द का क्या अर्थ है, इसके लिए उनका उत्तर क्या था? उन्हें भी नहीं पता था. यह सच्ची सच्चाई है. किंग जेम्स के अनुवादक बताते हैं, "हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया। हमने अपने सर्वोत्तम शब्दकोशों में देखा, हमने अपने सर्वोत्तम लोगों की जाँच की, और कोई भी वास्तव में नहीं जानता था कि इनमें से कुछ शब्द क्या थे। ये हिब्रू शब्द दुर्लभ शब्द हैं।"

अब आप कहते हैं, हिल्डेब्रांड्ट आप कैसे जानते हैं कि यह गलत है? खैर, एक समय इजराइल के ठीक उत्तर में, यह इजराइल से 56-70 मील उत्तर में उगारिट नामक एक जगह है। यह

लेबनान-उगारिट में है। उन्हें उगारिट नामक यह स्थान मिला। उगारिटिक नाम की एक भाषा है। इसलिए मुझे उगारिटिक सीखने का दुर्भाग्यपूर्ण सौभाग्य मिला है। उन्हें उगारिट से इनमें से 20,000 गोलियाँ मिलीं। इनका काल लगभग 1200 ईसा पूर्व का है। उगारिटिक हिब्रू की बहन भाषा है। क्या यह बहुत मददगार है? यदि आप स्पैनिश जानते हैं तो क्या आप नकली पुर्तगाली बना सकते हैं? मैंने उगारिटिक का पूरा एक साल लिया और कुछ बार इसका टेप पर होना मुझे वास्तव में परेशान करता है क्योंकि मेरे प्रोफेसर शायद मेरे मामले में आ जाएंगे, लेकिन मैंने एक साल का उगारिटिक लिया। सच्ची सच्चाई तो यह है कि मैंने वर्ष को नकली बना दिया। मैंने उगारिटिक को वैसे ही पढ़ा जैसे वह हिब्रू थी। दूसरे शब्दों में, मैं हिब्रू जानता था, इसलिए मैंने जो किया वह यह था कि मैंने उगारिटिक लिया और जब मैंने युगारिटिक पढ़ा तो मैंने इसे ऐसे पढ़ा जैसे यह हिब्रू हो। मैंने पूरे साल इसी तरह पढ़ा। वर्ष के अंत में मैं मज़ाक के तौर पर अपने प्रोफेसर के पास गया क्योंकि मुझे कक्षा में अच्छे ग्रेड मिले थे, और मैंने उनसे कहा, मैंने इसे ऐसे पढ़ा जैसे यह हिब्रू था। और उन्होंने कहा, "हां, क्योंकि वे सहयोगी भाषाएं हैं, इसलिए कई शब्द बहुत समान हैं।" इसलिए मैं उस साल को ऐसे ही गुजारने में सफल रहा।

अब, मुझे यहाँ वापस जाने दो। अंदाजा लगाइए कि उगारिटिक पाठ में कौन सा शब्द आता है? यह वही शब्द, यह "मल" शब्द जिसे हम हिब्रू में नहीं जानते हैं, उगारिटिक में आता है। इसका क्या मतलब है, और मुझे यकीन नहीं है कि मुझे यहां अनुवाद मिला है या नहीं, नहीं, मुझे नहीं मिला है। इसका मतलब यह है कि आप बर्तन पर क्या डालते हैं? आम तौर पर किसी बर्तन पर आप शीशा लगाते हैं। हमें उगारिटिक से जो शब्द मिला है, उसका उपयोग यहां किया गया है, जिसका अर्थ है कि बर्तन पर शीशा लगा हुआ है। यह चमकीला है, बस इतना ही, यह एक शीशा है। अब, वैसे, क्या इस संदर्भ में इसका कोई मतलब है कि यह चमकीला है? हाँ, यह वही है जो आप बर्तनों पर लगाते हैं। वह जो कह रहा है वह यह है कि आपके पास बुरे दिल से उत्कट शब्द हैं, यह मिट्टी के बर्तन पर शीशे के समान है। क्या तुम वो दिखता है? शीशा बहुत सुंदर है, लेकिन यह मिट्टी के बर्तन पर है। बुरे दिल से उत्कट शब्द, मिट्टी के बर्तन पर शीशे का आवरण, बहुत अच्छा शीशा लगाने जैसा है - सुअर पर लिप स्टिक लगाने जैसा है। तो यह है यह शब्द, अब हम जानते हैं कि इसका क्या अर्थ है।

आप कहते हैं, "ठीक है, किंग जेम्स संस्करण के अनुवादकों को बेहतर पता होना चाहिए था।" वे बेहतर क्यों नहीं जान सकते थे? क्योंकि उगारिट केवल 1948 में पाया गया था, और यह स्पष्ट रूप से 1950 और 60 के दशक में था, इससे पहले कि कोई भी इन ग्रंथों का बहुत अच्छी तरह से अनुवाद कर सके। तो मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि जब किंग जेम्स के लोगों ने अनुवाद किया, तो ऐसा कोई तरीका नहीं था जिससे वे जान सकें कि उस शब्द का क्या अर्थ है, यह केवल पिछले 70 वर्षों में पाया गया था। तो क्या किंग जेम्स अनुवादक दुष्ट थे? नहीं, उन्होंने 1611 के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। तब चीजें बहुत अलग थीं और ईमानदारी से कहें तो हम अब बहुत बेहतर जानते हैं। तो यह किंग जेम्स संस्करण से दूर जाने का एक कारण है, क्योंकि अब हम बेहतर जानते हैं कि इनमें से कुछ शब्दों का क्या अर्थ है, क्योंकि हमारे पास इनमें से कुछ सजातीय भाषाएँ हैं जो हमें यह समझने में मदद करती हैं कि अनुवाद कैसे करना है।

पुरातन भाषा समस्या [16:40-18:07]

तो अब यहाँ एक और है। क्या पिछले 400 वर्षों में अंग्रेजी भाषा बदल गई है? यहाँ 2 कुरिन्थियों 8:1 यह कहता है, "हम तुम्हें परमेश्वर के अनुग्रह के योग्य बनाते हैं।" अब, मैं आपसे पूछता हूँ, क्या आपने हाल ही में किसी को मूर्ख बनाया है? क्या तुमने कहा, "यार, मैंने काम पूरा कर लिया है। क्या आपने किसी को बुद्धिमान बनाया है? क्या हम इस तरह बात करते हैं?" "मैं तुम्हें बुद्धिमान बनाता हूँ।" आखिरी बार आपने कब कहा था, "मैं तुम्हें बुद्धिमान बनाता हूँ?" अब, फिर आप अगला प्रश्न पूछें: यह किस बारे में बात कर रहा है? "मैं तुम्हें बुद्धिमान बनाता हूँ।" दुनिया में इसका क्या मतलब है? कैसा रहेगा यदि मैं इसका अनुवाद इस प्रकार करूँ: "मैं चाहता हूँ कि आप ईश्वर की कृपा के बारे में सोचें।" क्या इसका कोई मतलब है? "मैं चाहता हूँ कि आप सोचें।" क्या यहाँ कोई बुद्धिमान है? कोई सिर हिला रहा है। मुझे मजाकिया लोग पसंद हैं; तुम इससे मुझे दुःख दे सकते हो, क्योंकि मुझे बहस करने में आनन्द आता है। "मैं बुद्धि से काम करता हूँ" का अर्थ था "मैं चाहता हूँ कि आप ईश्वर की कृपा के बारे में सोचें।" अब, वैसे, क्या हमें इसका अनुवाद 400 साल पहले किए गए अनुवाद से शायद आज अलग ढंग से करना चाहिए? क्योंकि अब हम बहुत से लोगों को मूर्ख नहीं बनाते। लेकिन हम चाहते हैं कि लोग सोचें और इसलिए हम ऐसा करते हैं, 'मैं इसके

बारे में सोचना चाहता हूँ।' तो अंग्रेजी भाषा बदल गई है.

अनुवाद के सिद्धांत [18:08-26:47]

अब यहाँ अनुवाद के तीन या चार सिद्धांत हैं। यहां पहला अनुवाद सिद्धांत है. आपके पास इस भाषा में एक शब्द है और आपके पास इस भाषा में एक शब्द है। तो आप इस भाषा में शब्द लें, और आप इसका इस भाषा में शब्द के लिए अनुवाद करें; **शब्द-दर-शब्द, शाब्दिक** अनुवाद। एक शब्द इस भाषा में, एक शब्द उस भाषा में, एक शब्द वहां, एक शब्द यहां, और इसी तरह आप अनुवाद करते हैं। अब मैं चाहता हूँ कि आप इसके बारे में सोचें। क्या कोई भाषा शब्द-दर-शब्द मेल खाती है? इस भाषा में इस शब्द का हमेशा यही मतलब होता है. अगर हमारी अपनी भाषा में, भले ही मैंने आपको बोसोनियन अंग्रेजी में कहा हो, "हमारा सीए", "हम अपने सीए के पास गए।" बोस्टन में "हमारे सीए" का क्या मतलब है? हममें से अधिकांश के लिए "सीए" का अर्थ "कार" है। अंत में "r" के साथ "कार"। अब समस्या क्या है? जब आप "सीए" कहते हैं, तो अब आप मुझे यह कहने पर मजबूर कर देते हैं। जब मैं "कार" कहता हूँ, तो क्या आप जानते हैं कि मैं रेलरोड कार के बारे में बात कर रहा हूँ? क्या रेलरोड कार, कार, कार से भिन्न है? Qarqar। क्या कोई करकर की लड़ाई के बारे में जानता है? वैसे भी, आपके पास एक "कार" है, जैसे कि मैं उसमें चला था। फिर आपके पास एक "कार" है, जैसे जब मेरा पोता खत्म हो गया था और वह खिलौना कार के साथ खेल रहा था। क्या खिलौना कार असली कार से अलग है, ट्रेन कार से अलग है? दूसरे शब्दों में, आप एक भाषा में एक शब्द ले सकते हैं और हमेशा उसका दूसरे तरीके से अनुवाद कर सकते हैं, क्या यह काम करता है? क्या भाषाएँ एक-के-लिए-एक जैसी पंक्तिबद्ध होती हैं? नहीं, वे उस तरह से लाइनअप नहीं करते हैं। तो यह शब्द-दर-शब्द शाब्दिक है। यह एक त्रुटिपूर्ण सिद्धांत है, क्योंकि भाषाएँ उस तरह काम नहीं करतीं।

अब, वैसे, क्या आपको शब्द-दर-शब्द शाब्दिक पसंद है, क्योंकि यह बहुत अच्छा है? यदि आप उन्हें एक-एक करके प्राप्त कर सकते हैं, तो क्या यह वास्तव में आसान है और आप जानते हैं कि आप ऐसा करना चाहते हैं। तो मुझे लगता है कि मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जितना हो सके शब्द-दर-शब्द का प्रयोग करें, लेकिन क्या यह अंततः टूटने वाला है?

हाँ, यह अलग है, और जो समस्या वह उठा रही है वह यह है कि वह एक गीत के लिए

पुर्तगाली से अंग्रेजी में अनुवाद कर रही है। अब गाने से क्या दिक्कत है? क्या गाना अधिक काव्यात्मक है? क्या कविता सिर्फ कथा चलाने से कहीं अधिक कठिन होने वाली है? जब आपके पास कविता होती है, तो काव्यात्मक शब्द साथ नहीं आते। यकीन मानिए मैंने यह कोशिश की है, मैं आपको यह नहीं बताना चाहता कि मैंने हिब्रू कविता का अंग्रेजी में अनुवाद करने में कितने घंटे यानी सैकड़ों घंटे खर्च किए हैं। यह हिब्रू में सुंदर है लेकिन यह अंग्रेजी में आता है और मैं इसे अंग्रेजी में कविता में नहीं बदल सकता। यह मेरे लिए सचमुच निराशाजनक है। मैंने कोशिश की है, मैंने घंटों खर्च किए हैं, मैंने इसे करने की कोशिश में एक कविता पर कम से कम 10 घंटे बिताए हैं और मैं इसे सही नहीं कर सका। यह वास्तव में मेरे लिए कष्टप्रद रहा है। तो क्या कविता भाषाओं के बीच एक अन्य आयाम जोड़ती है? तो शब्द-दर-शब्द शाब्दिक, क्या हमें यह पसंद है? यदि आप इससे बच सकें तो क्या यह एक अच्छा तरीका है? यदि आप ऐसा कर सकते हैं तो यह अच्छा है, लेकिन यह हमेशा इस तरह काम नहीं करता है।

तो फिर उनके पास वह है जिसे संशोधित शाब्दिक कहा जाता है। एक **संशोधित शाब्दिक अर्थ** यह है कि आप इसे यथासंभव शाब्दिक रूप से लें, शब्द-दर-शब्द, लेकिन कुछ बिंदुओं पर यह टूट जाएगा। कुछ बिंदुओं पर, यह टूट जाएगा। तो आप एक संशोधित शाब्दिक अर्थ शब्द-दर-शब्द करते हैं लेकिन फिर जब वह काम नहीं करता है तो आपको जमानत लेनी पड़ती है।

अब, यहाँ एक बिल्कुल अलग सिद्धांत है। इसे **गतिशील तुल्यता कहा जाता है**। अब गतिशील तुल्यता क्या करती है वह शब्द-दर-शब्द अनुवाद नहीं करती है। गतिशील तुल्यता क्या करती है, यह क्या अनुवाद करती है?--अर्थ-के-अर्थ। क्या यह शब्द-दर-शब्द से बहुत भिन्न है? इसलिए, उदाहरण के लिए, मैं हिब्रू में *हेस्ड* शब्द के बारे में सोचता हूँ। *हेस्ड का* क्या मतलब है? आप पूछते हैं, "हिल्डेब्रांड्ट इसका क्या मतलब है? आपने अपने जीवन में इसका कितने अलग-अलग तरीकों से अनुवाद किया है?" जब मैं छोटा था तो मैंने *हेस्ड का अनुवाद* "प्यार" के रूप में किया था। इसलिए मैंने इसका अनुवाद "प्रेम" किया। आप कहते हैं, "ओह, यह अच्छा है, 'प्यार'।" लेकिन फिर कुछ समय तक ऐसा करने के बाद आपको एहसास होता है कि वास्तव में *हेस्ड का मतलब यह नहीं है। हेसेड का मतलब अधिक है, आप कहते हैं, हम सिर्फ एनआईवी का उपयोग क्यों नहीं करते? एनआईवी इसका अनुवाद "दृढ़ प्रेम" करता है। अब "दृढ़ प्रेम" क्या "प्रेम" से थोड़ा*

अलग है? "दृढ़ प्रेम," और फिर आप कहते हैं कि मुझे "दृढ़" शब्द पसंद नहीं है। ऐसा लगता है जैसे मैं नहीं जानता, इसलिए फिर मैंने "वफादार प्यार" शब्द का अनुवाद किया। यदि आप डीएएसवी में देखें तो मैंने वहां "वफादार प्यार" किया। अब, वैसे, क्या "वफादार प्यार" "दृढ़ प्यार" से अलग है? क्या "दृढ़ प्रेम" और "वफादार प्रेम" के बीच थोड़ी सी भी समानता है? क्या वफादार प्यार में शायद किसी अनुबंध या अनुबंध का विचार होता है कि आप किसी के प्रति वफादार हैं? और इसलिए मुझे वफादार प्यार बेहतर लगता है। फिर आप कहते हैं, "याद है जब आप ग्रेस कॉलेज में थे और आपने कहा था कि आप इसका अनुवाद "जिद्दी प्यार" करते थे। अब "जिद्दी प्यार" एक बार फिर अलग है, लेकिन क्या आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? क्या इसमें निष्ठावान प्रेम जैसा कुछ है? मुझे "जिद्दी प्यार" वाक्यांश पसंद है और मैंने कुछ समय तक ऐसा किया, लेकिन फिर समस्या क्या थी? मुझे एहसास होने लगा कि ज्यादातर लोगों के लिए "जिद्दी" सकारात्मक है या नकारात्मक? नकारात्मक। तो फिर मैंने सोचा, मुझे पता है कि "जिद्दी प्यार" से मेरा क्या मतलब है और लेकिन यह काम नहीं करता है क्योंकि यह ज्यादातर लोगों के लिए नकारात्मक है, इसलिए मैंने "जिद्दीपन" छोड़ दिया और तभी मैं "वफादार प्यार" की ओर चला गया। क्या आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? तो हेस्ट का क्या मतलब है? और उत्तर है: मुझे नहीं पता. प्रेम, अनुबंधित प्रेम, निष्ठावान प्रेम, दृढ़ प्रेम, जिद्दी प्रेम, दया, क्या आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? इसमें ये सभी विचार हैं, और इसलिए यह शब्द एक मल्टीप्लेक्स शब्द है। जब मैं इसका अंग्रेजी में अनुवाद करने जाता हूँ, तो यह उससे कहीं अधिक जटिल होता है जितना मैं इसे एक या दो अंग्रेजी शब्दों में समझ पाता हूँ। डी डायनामिक समतुल्यता यह है कि आप अर्थ के लिए अर्थ करने का प्रयास करते हैं, आप इसके लिए अर्थ लेने का प्रयास करते हैं और आप अर्थ को वहां रखने का प्रयास करते हैं।

अंत में, जिसे मैं अनुवाद का " **राजनीतिक रूप से संशोधित विचार** " कहता हूँ। अब राजनीतिक रूप से सही दृष्टिकोण क्या है? टीएनआईवी, टुडेज़ न्यू इंटरनेशनल, उन्होंने इसे प्रकाशित किया, मुझे लगता है कि यह इंग्लैंड में था। आम तौर पर, राजनीतिक रूप से क्या सही हो जाता है? लिंग उन बड़ी चीज़ों में से एक है जिसे वे राजनीतिक रूप से सही करने का प्रयास करेंगे? मैं एक बैठक में था जब उन्होंने एनआरएसवी, नया संशोधित मानक संस्करण पेश किया। ब्रूस मेटज़गर वहाँ थे, वह प्रिंसटन के एक बूढ़े, धर्मात्मा सज्जन हैं, शायद अब उनकी उम्र नब्बे के

आसपास होगी। वैसे भी जब से मैंने उसे देखा है काफी समय हो गया है, मुझे आशा है कि वह ठीक है। मेट्ज़गर एनआरएसवी का परिचय दे रहे थे और महिला अनुवादकों में से एक उठी और वह एनआरएसवी पर चिल्ला रही थी क्योंकि एनआरएसवी में वे अभी भी भगवान का अनुवाद "वह" के रूप में करते हैं। वह इस बात से बहुत निराश थी कि बाइबिल में ईश्वर का अनुवाद "वह" किया जाएगा, क्योंकि यह लिंग विशेष पर आधारित है। इसमें महिलाएं शामिल नहीं हैं और इसलिए यह भयानक है कि वे भगवान को "वह" कहते हैं। वह इन सब चीजों पर बार-बार बात कर रही थी। मेट्ज़गर बस वहां बैठा था, और मुझे याद है, उसकी कोहनी इस मेज पर है, और यह महिला "वह भगवान" पर जा रही है, और मेट्ज़गर का सिर इस तरह है और वह बस अपना सिर हिलाते हुए वहां बैठा है। उसके पास वहाँ एक हजार विद्वान हैं; मेट्ज़गर ऐसे ही जा रहा है। क्या उसके पास पीसने के लिए कोई कुल्हाड़ी थी? क्या तुम लोगों ने कभी अय्यूब की पुस्तक का शाकाहारी पाठन देखा है? मैं आपसे मजाक नहीं कर रहा हूँ, मैं बिल्कुल गंभीर हूँ, अय्यूब की किताब के लिए एक शाकाहारी पाठ है। तो वैसे भी, मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि क्या आज अलग-अलग लोगों के पास अलग-अलग राजनीतिक एजेंडे हैं? क्या वे अपने राजनीतिक एजेंडे को पढ़ सकते हैं कि वे इसका अनुवाद कैसे करते हैं? हाँ।

अब सवाल यह है कि क्या आपको वह पसंद है या वह पसंद नहीं है? खैर, मुझे यह पसंद नहीं है क्योंकि मुझे लगता है कि मैं एक बूढ़ा आदमी हूँ, लेकिन आप लोगों को शायद अंतर नजर ही नहीं आता। क्योंकि मैं कैसे कह सकता हूँ, आप लोग उस समय से इस पीसी सामग्री में डूबे हुए हैं जब आप किंडरगार्टन गए थे, विश्वास करें या न करें। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि राजनीतिक रूप से सही अनुवादों के बारे में सावधान रहें। कि मुझे परेशान। जब किसी के पास कोई एजेंडा होता है कि वे पवित्रशास्त्र को पढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो मुझे इससे समस्या होती है। मैं धर्मग्रंथ पढ़ने की कोशिश नहीं करता। बल्कि मैं धर्मग्रंथों को सुनने की कोशिश करता हूँ। नहीं, *एलोहीम* एक मर्दाना अंत है। यह वह है . ठीक है, तो अब आप जानते हैं, मैं दार्शनिक चर्चा में नहीं पड़ना चाहता, आप भगवान के लिंग के बारे में जानते हैं। वह किसी और समय के लिए है। मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है कि जब आप अनुवाद के साथ काम कर रहे हों; आपको इस पर काम करना होगा कि मूल लेखकों का क्या मतलब था और उन्होंने क्या लिखा था। तो हमें उसके साथ

काम करना होगा। लेखक के मूल इरादे और हालिया पाठक प्रतिक्रिया व्याख्याशास्त्र के बीच एक बड़ी बहस है।

नीतिवचन 10:5 अनुवाद [26:48-28:30]

आइए एक उदाहरण लें, और नीतिवचन अध्याय 10 श्लोक 5 को देखें, और मैं जो करना चाहता हूँ वह विभिन्न अनुवादों के माध्यम से चलना है और इसके साथ खेलने की कोशिश करना और आनंद लेना है। तो सुंदर अनुवादों में से सबसे सुंदर और यह सबसे अच्छा है जिसकी मैंने अत्यधिक अनुशंसा की है वह यहीं है। क्या आप देखते हैं वह कितना सुंदर है? अब इसे सुनो. ये बात सुन।

' ओगर बक्कायित्ज़ बेन मास्किल, निर्दम बक्कत्ज़िर बेन मेविश । [हिब्रू] क्या आप देखते हैं कि यह कितना सुंदर लगता है? वह हिब्रू है. वैसे, क्या आप यहाँ *बक्का देख सकते हैं?* क्या आप वहाँ *बक्का देखते हैं?* क्या आप देखते हैं कि वह ध्वनियों के साथ कैसे खेल रहा है? *बक्का, बक्का-* क्या आप देखते हैं कि यह कैसे होता है? क्या आप इसे यहाँ देखते हैं?-- *बेन*। क्या यहाँ बेंजामिन नाम का कोई व्यक्ति है? *बेन*, यह आपका नाम है। आप देखिए, वैसे, आप यहां दो बार आते हैं, *बेन* और *बेन*। क्या आप देखते हैं कि इसे कैसे दोहराया जाता है? वैसे क्या आपने देखा कि यह दोनों "एम" ध्वनि वाले *मेम से कैसे शुरू होते हैं?* "म," और क्या आप देखते हैं कि यह एक " श ," " श , (ं ष)" "s (ं ष)" है क्या आप देखते हैं कि ये दोनों अक्षर एक जैसे कैसे हैं? क्या वह ध्वनि के साथ खेल रहा है? तो वह ध्वनियों के साथ खेल रहा है. प्रश्न, क्या आप ध्वनियों को अंग्रेजी में ले सकते हैं और ध्वनियों के साथ खेल सकते हैं? यह अंग्रेजी में काम नहीं करता. मैंने इसे आजमाया है, मेरा विश्वास करो। वैसे यह बहुत सुंदर है, आपने देखा होगा कि इब्रानियों को वे हमेशा इसी तरह पढ़ते हैं। आप लोग हमेशा उल्टा पढ़ते हैं। सही?

केजेवी: किंग जेम्स संस्करण (1611) [28:31- 30:27]

अब इसे आजमाएं, यह 1611 में किंग जेम्स द्वारा किया गया एक अंग्रेजी अनुवाद है, जिसे 1880 के दशक के अंत में अद्यतन किया गया था और अब आपको एक नया किंग जेम्स मिल गया है जो कुछ साल पहले किया गया था। लेकिन किंग जेम्स संस्करण को 1880 के दशक में अद्यतन

किया गया था, और सामान्य केजेवी वास्तव में 1611 संस्करण नहीं है। यह 1880 का संस्करण है। लेकिन वैसे भी, यह किंग जेम्स 1611 है, "वह जो गर्मियों में इकट्ठा होता है वह एक बुद्धिमान पुत्र है।" क्या तुममें से कोई " एकत्रित " होता है? अब, जैसे ही आप इसे देखेंगे, प्रश्न करें, क्या यह पुरातन रूप में है ?वैसे, क्या आप इसे समझते हैं? हाँ, आप समझते हैं कि इसके अंत में बस एक "एथ" है। अब आप आमतौर पर इसे नहीं देख पाते हैं, हम "एथ" की तुलना में "एट" के अधिक आदी हैं। "परन्तु वह जो सोता है , " " छींटाकशी , "तुममें से कोई भी मेरी कक्षा में " सोता है ", बेहतर नहीं होगा। अतः तुम्हें नींद नहीं आएगी। "परन्तु वह जो सोता है।" हम यह नहीं कहते कि " नींद आती है ।" हम क्या कहते हैं? नींद। हाँ, हम अंत में केवल "s" लगाते हैं। "जो कटनी के समय सोता है , वह लज्जित करनेवाला पुत्र है।" क्या यह स्पष्ट है, क्या आप इसका अनुवाद इसी प्रकार करेंगे? आप ऐसा ठीक से नहीं करेंगे? क्या आप इसे समझ सकते हैं? हाँ, आप इसे समझ सकते हैं। किंग जेम्स में एक विशेष सुंदरता है। सच कहूँ तो मुझे केजेवी बहुत पसंद है, लेकिन भाषा कुछ हद तक पुरानी है। आपको इसे ध्यान में रखना होगा। केजेवी अब तक किए गए सर्वोत्तम सबसे अविश्वसनीय अनुवादों में से एक था और यही कारण है कि यह तीन/चार सौ वर्षों तक चला और यही कारण है कि लोग आज भी इसका उपयोग करते हैं क्योंकि यह बहुत अविश्वसनीय है।

NASV: नया अमेरिकी मानक संस्करण [30:28-31:30]

अब, मेरे पास है, मैं तुम्हें कुछ अन्य दिखाऊंगा। यह केजेवी है और चलिए आगे बढ़ते हैं। यहाँ NASV है. नया अमेरिकी मानक शब्द-दर-शब्द शाब्दिक रूप से आगे बढ़ने का एक प्रयास था - हिब्रू में शब्द, अंग्रेजी में शब्द, आदि। इस तरह वे इसे यहां करने की कोशिश करते हैं, "वह जो गर्मियों में इकट्ठा होता है।" अब, वैसे क्या हमें "इकट्ठा करना" शब्द " इकट्ठा करना " से बेहतर लगता है? हाँ, तो यह बेहतर है, यह एक सुधार है। "जो गर्मियों में बटोरता है, वह पुत्र बुद्धिमानी से काम करता है।" अब वैसे, "बेटा जो बुद्धिमानी से काम करता है," क्या यह काफी लंबा है? "परन्तु जो सोता है," अब यह भी एक सुधार है, "जो कटनी के समय सोता है, वह लज्जाजनक पुत्र है।" क्या इसका अर्थ स्पष्ट और स्पष्ट है? सबसे पहले, हाँ, हम इसे समझते हैं। यह इसे बिल्कुल स्पष्ट करता है. तो ये अच्छा है. क्या उन्होंने यहां "इकट्ठा", "नींद" के साथ कुछ सुधार किए हैं? क्या उन्होंने कुछ सुधार किये हैं? क्या उन्होंने "बेटा जो बेशर्मी से काम करता है" को लम्बा कर दिया है? क्या उन्होंने

इसे किसी तरह से बाहर निकाला है? क्या कविता छोटी और संक्षिप्त है या लंबी और शब्दाडंबरपूर्ण?

एनआईवी: नया अंतर्राष्ट्रीय संस्करण [31:31-35:05]

अब मैं एनआईवी को वहां रखना चाहता हूं ताकि आप अंतर देख सकें। एनआईवी कहता है, "वह जो फसल इकट्ठा करता है।" अब जैसे "फसलें" कहां से आती हैं? एनआईवी अनुवादक, क्या आपको एहसास है कि उन एनआईवी अनुवादकों ने वहां वह शब्द जोड़ा है? "फसलें" शब्द हिब्रू में नहीं है। उन्होंने धर्मग्रंथ में जोड़ा। क्या वह बुरी खबर है? उन्होंने धर्मग्रंथ में जोड़ा। क्या तुम वो दिखता है? अब एनआईवी किसने किया? आप कहते हैं कि हिल्डेब्रांड्ट ने यह नहीं कहा कि डॉ. विल्सन ने यह किया? उन्होंने यशायाह पर काम किया, नीतिवचन पर नहीं, और जैसे मैंने आपको डॉ. विल्सन के बारे में बताया है ना? आपके पास "यहोवा यों कहता है," यह अच्छा है, सोना ठीक है। डॉ. विल्सन कहते हैं और जाना अच्छा है। तुम जानते हो कि मैं क्या कह रहा हूं। अब उन्होंने वहां "फसलें" शब्द क्यों डाला? सचमुच उन्होंने "फसलें" शब्द जोड़ा, "वह जो फसलें इकट्ठा करता है।" उन्होंने वहां फसल शब्द क्यों डाला? [छात्र की प्रतिक्रिया] यह वास्तव में अच्छा था। हाँ। आज की अंग्रेजी में जब हम इकट्ठा होते हैं, "वह जो इकट्ठा करता है," हम पूछते हैं इकट्ठा करता है क्या? हमारा अगला प्रश्न क्या है? "वह जो गर्मियों में इकट्ठा होता है," हम कहेंगे कि क्या इकट्ठा करता है? क्या आप कंचे इकट्ठा करने जा रहे हैं? क्या आप रेत इकट्ठा करने जा रहे हैं? आप क्या इकट्ठा करने जा रहे हैं? जब यह "फसलें" कहता है तो क्या इसका मूल अर्थ यही है? क्या "क़त्ज़िर" शब्द का यही अर्थ है? "फसलें इकट्ठा करना" लेकिन वास्तव में एक कृषि समाज में, आप कहेंगे "इकट्ठा करें" और आप इसे फसल के साथ जोड़ देंगे, इसका स्पष्ट अर्थ यही है। लेकिन क्या हमारे समय में "इकट्ठा करना" स्पष्ट है? नहीं, इसलिए वे इसे "फसलें इकट्ठा करते हैं" कहकर स्पष्ट करते हैं। क्या वह मददगार है? क्या यह हमारे लिए उपयोगी है क्योंकि हम एक कृषि प्रधान समाज में नहीं रहते हैं? तो "फसलें" सहायक हैं।

अब, जैसे, क्या इसका मूल अर्थ यही था? मूल रूप से इसका यही मतलब था। क्या हिब्रू में फसल शब्द है? नहीं, ऐसा नहीं है, लेकिन यह "वह जो इकट्ठा करता है" शब्द में अंतर्निहित है, बेशक, आप फसलें इकट्ठा करते हैं। तो क्या आप थोड़ा सा देखते हैं कि वहां क्या चल रहा है? "जो

धूप में फसल बटोरता है, वह बुद्धिमान पुत्र है, और जो कटनी के समय सोता है, वह कलंकित पुत्र है।" क्या आप इस "बुद्धिमान पुत्र" को देखते हैं? क्या "बुद्धिमान पुत्र" [एनआईवी] "बुद्धिमानी से काम करने वाले पुत्र" [एनएसवी] से भिन्न है? क्या एनएसवी वास्तव में लंबा और खींचा हुआ है? अब, मैं आपसे एक कहावत में पूछता हूँ, क्या एक कहावत लंबी और लंबी होनी चाहिए, या एक कहावत सारगर्भित और प्रभावशाली होनी चाहिए? "समय रहते संभलने से बड़ी आफत टलती है।" या फिर एक कहावत को एक लंबा वाक्य होना चाहिए? क्या कहावत को संक्षिप्त, स्पष्ट, सारगर्भित और सारगर्भित माना जाता है? क्या यह "बुद्धिमानी से काम करने वाला पुत्र" है? या एक "बुद्धिमान पुत्र" छोटा और सटीक होता है? तो क्या यह नीतिवचन और लौकिक शैली के विचार में फिट बैठता है? क्या यह साहित्यिक रूप इसे और अधिक प्रभावशाली बनाता है? "एक अपमानजनक बेटा," के बजाय "एक बेटा जो शर्मनाक काम करता है।" क्या आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? तो प्रश्न: क्या मुझे यह एनआईवी अनुवाद इस एनएसवी से बेहतर पसंद है? मुझे व्यक्तिगत रूप से यह पसंद है। इसमें कुछ दम है। नीतिवचन की तरह लघु, हालांकि यह कृषि पृष्ठभूमि के फ्रेम में मदद करने के लिए यहां "फसलों" को जोड़ता है और फिर "बुद्धिमान पुत्र" का विरोध करते हुए "अपमानजनक पुत्र" फिर से मुक्का मारता है और "अपमानजनक पुत्र फसल के दौरान सो जाता है।" वैसे, क्या यह कॉलेज के बारे में बात हो रही है? हाँ।

एनएलटी: न्यू लिविंग ट्रांसलेशन [35:06-39:55]

अब चलिए एक अलग रास्ते पर चलते हैं। इसे *न्यू लिविंग ट्रांसलेशन कहा जाता है* और नीतिवचन की पुस्तक, *न्यू लिविंग ट्रांसलेशन* में सभी प्रकार की समस्याएं हैं। तो आइए उनमें से कुछ पर नजर डालें। "एक बुद्धिमान युवा," अब जैसे ही आप देखते हैं कि क्या कुछ बदल गया है? "एक बुद्धिमान युवा।" बाकी सभी ने क्या कहा? एक बुद्धिमान "बेटा।" क्या हर कोई इसे देखता है? क्या उन्होंने लिंग को खत्म कर दिया है और बेटे के स्थान पर युवा को रख दिया है ताकि यह "बेटा" के साथ एक विशेष लिंग न रह जाए। क्या इसी वजह से ऐसा किया गया? उत्तर है: हाँ, यह बिल्कुल इसी कारण से किया गया था। क्या किसी ने सही पेजों पर उन्हें बताया कि ऐसा करने का यह सही तरीका नहीं था? हाँ। क्या उस व्यक्ति के सुझावों को नजरअंदाज किया गया? हाँ। जब आप हारते हैं तो आप क्या करते हैं? आप शिकायत करते हैं और मैं वही कर रहा हूँ। तो वैसे भी, यह वास्तव में

अभी भी मुझे परेशान करता है।

“मेरे बेटे, अपने पिता की बात सुनो।” क्या यह “मेरे बच्चे, अपने पिता की बात सुनो” से बहुत अलग नहीं लगता? हाँ। बेटा कितने साल का है? यह आदमी अपने बेटे को मना करने की कोशिश कर रहा है, आप लोग कैसे कहते हैं, इस महिला के साथ संबंध बनाओ या संबंध बनाओ, और क्या वह बच्चा है? अब मुझे नहीं पता कि आप लोग इसे क्या कहते हैं। मैं यही कह रहा हूँ, क्या यह एक पिता अपने बेटे को चेतावनी देकर कह रहा है कि कुछ भी मत खाओ। क्या यह बच्चा बच्चा है? नहीं, जाहिर तौर पर वह एक युवा वयस्क है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह “बच्चा” शब्द का उपयोग करने के लिए है, उन्होंने “बेटा” के बजाय “बच्चा” शब्द का उपयोग क्यों किया? “मेरे बेटे अपने पिता की बात सुनो,” “मेरे बच्चे सुनो,” क्या तुम्हें वहाँ अर्थ में अंतर दिखाई देता है? मुझे लगता है कि कोई भी वहाँ अंतर देख सकता है। प्रश्न: जब संपादक आपके ऊपर कुछ करता है तो क्या आपको अपनी जीभ काटनी पड़ती है और कहना पड़ता है “बस हो गया।” क्या आपको कभी-कभी आराम करना पड़ता है? मैं अभी भी इसके बारे में पागल हूँ। मुझे लगता है कि यह गलत है लेकिन फिर भी, क्या जिन लोगों के साथ मैंने अनुवाद किया उनके प्रति मेरे मन में सम्मान है? मेरे ऊपर संपादक, मैं आपको नाम भी नहीं बताऊंगा, लेकिन क्या मैं उस व्यक्ति का सम्मान करता हूँ? हाँ, मैं उस व्यक्ति का बेहद आनंद लेता हूँ और उसने मुझे बुद्धिमान बनाया। वह मुझे सोचने पर मजबूर करता है और मैं उसकी बहुत सराहना करता हूँ, लेकिन इस मुद्दे पर मैं उससे असहमत था।

तो, “एक युवा जो अवसर आने पर भी सो जाता है।” रुको, चलो इसे खत्म करते हैं, “एक बुद्धिमान युवा पूरी गर्मियों में कड़ी मेहनत करता है।” “फसलें” कहाँ हैं? क्या “फसलें” खत्म हो गई हैं? “फसलें” खत्म हो गई हैं। उन्होंने “कटाई की फसल” क्यों छीन ली? यह कहता है “कड़ी मेहनत करता है।” क्या यह कहावत का वास्तविक बिंदु है? क्या तुम लोगों को फसल इकट्ठा करने की ज़रूरत है, या तुम लोगों को कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है? क्या यह आपको फसलों की कटाई की छवि के बिना, इसका अर्थ बता रहा है? हाँ। क्या यह अच्छा है या बुरा है? फसल और कटाई के रूपक का क्या हुआ? क्या वह फ़सल और फसलों का सुंदर रूपक है? हाँ, यह है, मुझे वह पसंद है। मुझे अच्छा नहीं लगता जब वे मेरे रूपक छीन लेते हैं। रूपक समृद्ध हैं। लेकिन क्या इससे आपको नीतिवचन का मतलब समझने में मदद मिलती है? उत्तर है, हाँ। यह इसे आपके

सामने रखता है, लेकिन मुझे सूक्ष्मताएं पसंद हैं, मुझे रूपकों की समृद्धि पसंद है। तो यह मुझे भी थोड़ा परेशान करता है। लेकिन मैं बात समझ सकता हूं। आप रूपक नहीं डालते हैं, आप रूपक का अर्थ डालते हैं। वैसे, क्या यह बाइबल पढ़ने वाले लोगों के लिए अधिक उपयोगी है? क्या तब उन्हें सही बिंदु मिलना निश्चित है? तो क्या होता है कि आप बिंदु के साथ काम करते हैं। अब "एक युवा जो अवसर आने पर सो जाता है।" अवसर की घड़ी क्या है? क्या आपको फल पकने पर ही फसल काटने की ज़रूरत थी? यदि आप फल पकने के दो महीने बाद फसल काटते हैं, तो यह अच्छा नहीं है। तो क्या यह फिर से हमें फसल की कल्पना का उपयोग किए बिना नीतिवचन का अर्थ दे रहा है? तो यह हमें अर्थ बता रहा है, यह अधिक अर्थ-से-अर्थ गतिशील समतुल्य अनुवाद है। तो वह पूरी गर्मियों में कड़ी मेहनत क्यों कर रहा है, जो कई अन्य प्रश्न खड़े करता है। लेकिन, वैसे, क्या आप कॉलेज के छात्र अपना अधिकांश काम कॉलेज में या सर्दियों में करते हैं? आप गर्मियों में काम करते हैं ना? क्या आप लोग ग्रीष्मकालीन नौकरियाँ करते हैं? हाँ, शायद यही कारण है कि यह अभी भी लोगों के लिए गर्मियों में काम करने के लिए उपयुक्त है। लेकिन ध्यान दें, बेटे के बारे में "शर्मिंदगी लाती है"। क्या रूपक के बिना इसमें कहावत का अर्थ वास्तव में स्पष्ट है? हाँ।

यूजीन पीटरसन द्वारा संदेश [39:56-43:23]

एक बार की बात है, यूजीन पीटरसन नाम का एक लड़का था। वह कनाडा में पढ़ाते हैं, और आप जानते हैं कि कनाडाई कैसे होते हैं। तो, वह है, मुझे इसे कैसे कहना चाहिए? वह एक धर्मात्मा, धर्मात्मा व्यक्ति है जिसकी मैं आदरपूर्वक प्रशंसा करूंगा। मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता, लेकिन उन्होंने जो काम किया है, उससे मैं उनका सम्मान करता हूं और मैंने उनका कुछ काम पढ़ा है। वह एक धर्मात्मा, धर्मात्मा व्यक्ति है। क्या वह बेहद रचनात्मक है? अब, रचनात्मकता में समस्या क्या है? मैं आपको बताऊंगा क्योंकि मैं खुद भी कई बिंदुओं पर बहुत रचनात्मक हूं। जब आप रचनात्मक होते हैं तो यह कठिन होता है, रचनात्मकता के बीच एक महीन रेखा होती है, अब मैं उसके बारे में बात नहीं कर रहा हूं, यूजीन पीटरसन, रचनात्मकता और अजीबता के बीच एक महीन रेखा है। मैं कभी भी लाइन नहीं टूट पाया। लेकिन फिर भी, दूसरी ओर, वह एक अच्छा विद्वान, शीर्ष स्तर का विद्वान और एक रचनात्मक व्यक्ति है, और वह ऐसी चीजें लेकर आता है जिसे

पढ़कर आप कहेंगे, काश मैंने इसका ऐसा अनुवाद किया होता। यह लड़का प्रतिभाशाली है। मैं जो कह रहा हूँ वह यूजीन पीटरसन है, वह कनाडा के वैंकूवर में रीजेंट यूनिवर्सिटी में है। वह कुछ भविष्यवाणी और लौकिक क्षण को पकड़ लेता है जिसे मैं कैद नहीं कर पाया हूँ। इसलिए मैं उनकी ओर प्रशंसा की दृष्टि से देखता हूँ।

अब, यह अलग होने जा रहा है, लेकिन इस आदमी ने इसे पकड़ लिया है। इसे जांचें, यह उसी कविता का अनुवाद है: "जब तक सूरज चमके तब तक घास बनाओ।" अब, क्या यही बात है? क्या उसे मिल गया? क्या हम कहते हैं "जब सूरज चमक रहा हो तब घास बनाओ"? उसे गर्मियों के दौरान कड़ी मेहनत करने का विचार मिल गया है। उसे समझ आ गया है, "जब सूरज चमक रहा हो तब घास बनाओ, यह समझदारी है। फसल के दौरान मछली पकड़ने जाना बेवकूफी है।" अब, यदि मुझे कोई शब्द बदलना हो तो वह संभवतः यही होगा। "बेवकूफ" क्या वह सचमुच मजबूत है? अब क्या यह कहावत वास्तव में सशक्त है? हाँ, लेकिन मुझे लगता है कि मैं इस शब्द को थोड़ा हल्का कर दूँगा। लेकिन क्या यहां कोई प्रतिभा है? क्या यह कहावत को दर्शाता है? क्या आप यह दिखाई दे रहा है? "जब सूरज चमक रहा हो तब घास बनाओ, यह स्मार्ट है, फसल के दौरान मछली पकड़ने जाओ, यह बेवकूफी है।" यह *संदेश* बाइबिल है। यह यूजीन पीटरसन द्वारा किया गया है।

अब, जबकि मैं पीटरसन का सम्मान करता हूँ, वह एक प्रतिभाशाली व्यक्ति है, एक व्यक्ति के अनुवाद करने में समस्या यह है कि क्या यह संभव है कि वह सपाट, सपाट, सपाट, प्रतिभाशाली, सपाट, सपाट, सपाट, प्रतिभाशाली हो सकता है। तुम जानते हो मैं क्या कह रहा हूँ? क्या कोई व्यक्ति हर श्लोक में प्रतिभाशाली हो सकता है? क्या वह हर श्लोक के साथ ऐसा करता है? नहीं, मैंने इसे चुना है, लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि उसके पास ये छंद होंगे कि आप बस वहां बैठे रहें और यह आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर देगा। आप बस इतना कहें, "उसे मिल गया।" अब वैसे यह शब्द-दर-शब्द है? नहीं, क्या यह गतिशील तुल्यता, अर्थ के लिए अर्थ है? क्या उसे मतलब की बात मिल गयी है?

अब, वैसे, आप इनमें से किस अनुवाद का उपयोग करने जा रहे हैं? क्या यह संभव है कि जब मैं मुस्कुराना चाहता हूँ तो मैं *संदेश का उपयोग* इस पाठ के बारे में एक अलग तरीके से सोचने के लिए करूँ जैसा कि मैंने इसके बारे में पहले कभी नहीं सोचा था? तो मैं इसका उपयोग करता हूँ?

क्या यह संभव है कि मैं एनएलटी या एनआईवी का उपयोग करूं? हाँ। जब आप अलग-अलग मूड में हों और जब आप अलग-अलग काम कर रहे हों तो क्या अलग-अलग अनुवाद का उपयोग करना संभव है? यदि आप एक पादरी हैं जो धर्मोपदेश की तैयारी करने की कोशिश कर रहे हैं, तो क्या आप इस तरह की कुछ जंगली और निराला चीज़ का उपयोग करने जा रहे हैं? या क्या आप आरंभ करने के लिए अधिक शब्द-दर-शब्द शाब्दिक का उपयोग करने जा रहे हैं? वास्तव में यदि आप एक पादरी हैं जो धर्मोपदेश दे रहा है, तो क्या आप संभवतः दोनों काम करेंगे? हां, इसे प्राप्त करें, क्या आपके चर्च के लोगों को यह पसंद आएगा? हाँ, तो आप जानते हैं, यह इस पर निर्भर करता है कि आप क्या करने का प्रयास कर रहे हैं। निःसंदेह, आपको वास्तव में मूल हिब्रू पढ़ना चाहिए। तो यहाँ कुछ निष्कर्ष हैं, बड़ी तस्वीर की तरह।

पूरी प्रक्रिया की समीक्षा [43:24-46:32]

खैर, आइए पूरी प्रक्रिया पर गौर करें। क्या आज हमारे पास 2,000 वर्षों की तुलना में बेहतर पांडुलिपि साक्ष्य हैं? हाँ। उनके पास पहले से कहीं बेहतर पांडुलिपि साक्ष्य हैं। क्या कोई भी प्रमुख सिद्धांत सभी शास्त्रीय त्रुटियों से प्रभावित है? क्या कोई प्रमुख सिद्धांत वास्तव में प्रभावित है? जवाब न है।" कोई भी प्रमुख सिद्धांत वास्तव में प्रभावित नहीं होता है। आप कहते हैं, "ओह, हिल्डेब्रांट, हमने इतना सारा समय बर्बाद कर दिया है और कोई भी सिद्धांत वास्तव में प्रभावित नहीं हुआ है। लेकिन मैं जो कहने की कोशिश कर रहा हूँ वह यह है कि यह जानते हुए कि शास्त्रियों ने इसकी नकल की है और इसमें लिपिकीय त्रुटियाँ हैं, इससे मदद मिलती है, आप बेहतर ढंग से समझते हैं कि हमें अपनी बाइबिल कैसे मिली। मेरी दिलचस्पी इसी में है कि कोई भी आप पर कुछ भी नया न उछाले। अब हम इससे गुजर चुके हैं। आप देखते हैं कि चीजें कैसे घटती हैं और उन्हें कहां होना चाहिए।

मैं चाहता हूँ कि आप ट्रांसमिशन, स्क्रिब की नकल और अनुवाद के बारे में यथार्थवादी दृष्टिकोण रखें। अनुवाद प्रक्रियाओं में मैं बस इतना चाहता हूँ कि आप विभिन्न अनुवादों और विभिन्न लिपिबद्ध नकल की प्रक्रियाओं से अवगत रहें। भगवान के वचन पर भरोसा होना चाहिए। लाभ यह है कि यदि आप चाहें तो आप लोग अंग्रेजी में 10 या 15 अलग-अलग अनुवाद चुन सकते हैं। इसलिए

आज हम सूचना की दृष्टि से बहुत समृद्ध वातावरण में रहते हैं।

क्या कोई नेट बाइबल का उपयोग करता है? क्या कभी किसी ने नेट बाइबल के बारे में सुना है? ठीक है, नेट पर एक बाइबिल है। इसकी मेजबानी कुछ बहुत अच्छे लोगों, डैन वालेस और इन लोगों के एक समूह द्वारा की जाती है, मैं उनमें से कुछ को जानता हूँ, और वे उत्कृष्ट हैं। इसे नेट बाइबल कहा जाता है। मैं वास्तव में फुटनोट्स का आनंद लेता हूँ, उस बाइबल से अध्ययन मार्गदर्शिका बहुत उपयोगी है। यह सब इंटरनेट पर है। मुझे लगता है कि आप वास्तव में अब एक प्रति ऑर्डर कर सकते हैं; आप वास्तव में इसे मुद्रित करवा सकते हैं।

इसलिए बहुलता से मुझे लगता है कि मुद्दा चुटकुलों और टिटल्स पर ध्यान केंद्रित करने का नहीं है, बल्कि पवित्रशास्त्र के अर्थ पर ध्यान केंद्रित करने का है, और मुझे लगता है कि यही मेरा मुद्दा है। छोटी-छोटी बातों, छोटी-छोटी बातों पर इतना ध्यान केंद्रित न करें, पवित्रशास्त्र के अर्थ और आपके जीवन के लिए इसका क्या अर्थ है, इस पर ध्यान केंद्रित करें। ईश्वर आपसे कैसे बात कर रहा है, और पवित्रशास्त्र के अर्थ के संदर्भ में आप तक अपनी बात कैसे पहुंचा रहा है, न कि केवल उन बातों और शीर्षकों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है जो हमें परेशान करती हैं। यदि ईश्वर ने हमसे बात की है और हमें बहुत सी बातें बताई हैं, तो यह पुस्तक आपके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शकों में से एक होनी चाहिए। प्रश्न, क्या मुझे प्लेटो को पढ़ने में आनंद आता है? *द रिपब्लिक*, मुझे प्लेटो पढ़ना पसंद है। यदि आपने प्लेटो को कभी नहीं पढ़ा है, तो प्लेटो अद्भुत है। अरस्तू अधिक काम करने वाला व्यक्ति है, लेकिन अरस्तू बहुत ही गणितीय तार्किक दिमाग वाला व्यक्ति है। मुझे अरस्तू, *निकोमैचियन एथिक्स पढ़ने में आनंद आता है* और अन्य चीजों। प्रश्न, जब आप प्लेटो, अरस्तू, सभी महान लोगों को पढ़ते हैं, तो यह क्या है? [बाइबिल का संदर्भ] यह परमेश्वर का वचन है। प्रश्न यह है कि क्या यह प्लेटो से भिन्न है? प्लेटो दिलचस्प था, चार्ल्स डिकेंस आकर्षक है, लेकिन यह ईश्वर का वचन है। तो फिर बहुत बड़ा अंतर है। मैं ये कैसे कह सकता हूँ? यही एक कारण है कि मैंने अपना जीवन इस पुस्तक का अध्ययन करने में लगाया क्योंकि भगवान ने बात की है। भगवान ने वास्तव में बात की है, और मैं सुनना चाहता हूँ कि वह क्या कहते हैं। तो यह जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शकों में से एक है।

शास्त्री गलतियाँ करते हैं [46:33-49:46]

अब, क्या भगवान ने अपने वचन को संरक्षित करने में त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया का उपयोग किया? हाँ वह था। अब, वैसे, क्या यह मेरी राय का मामला है। उन्होंने त्रुटिपूर्ण प्रक्रियाओं का उपयोग किया। मैं तुम्हें खामियाँ दिखा सकता हूँ और मैंने तुम्हें कुछ खामियाँ दिखायी हैं। अब, क्या शास्त्रियों ने गलतियाँ कीं? हाँ उन्होंने किया। क्या हम उनमें से बहुत सारी त्रुटियों को सुधार सकते हैं? हाँ हम कर सकते हैं। क्या भगवान ने त्रुटिपूर्ण प्रक्रियाओं का उपयोग किया? क्या उसने अपनी बात कहने के लिए इंसानों का इस्तेमाल किया? क्या भगवान ने अनुवादात्मक प्रक्रियाओं का उपयोग किया? क्या कुछ अनुवादों में त्रुटियाँ हैं? दरअसल, ईमानदारी से कहें तो क्या हमारे हर अनुवाद में त्रुटियाँ हैं? निश्चित रूप से। अब वैसे, क्या आज के अनुवाद पहले की तुलना में कहीं अधिक सटीक हैं? क्या किंग जेम्स अनुवाद में त्रुटियाँ थीं? हाँ, आपको यह कहना होगा। मेरा मतलब है मरकुस 16, 1 यूहन्ना 5:7। हाँ, आपके पास कोई विकल्प नहीं है। सबसे पहले, मैं आपसे पूछना चाहता हूँ, क्या भगवान ने गलतियाँ करने वाले शास्त्रियों का उपयोग किया था? अब, यदि ईश्वर ने इसकी निगरानी की, तो क्या उन लोगों ने गलतियाँ कीं? नहीं, यह मेरी राय नहीं है कि हमारे पास पांडुलिपियाँ हैं। हम पांडुलिपियों की तुलना कर सकते हैं। यह "हो सकता है" नहीं है। क्या शास्त्रियों ने गलतियाँ कीं? "नहीं, आप वहाँ नहीं थे," कुछ लोग कह सकते हैं, लेकिन यदि आपके पास पुस्तकालय में शोध करने के लिए 10 मिनट हों, तो क्या आप पांडुलिपियाँ ढूँढ सकते हैं और वास्तव में पांडुलिपियों की तुलना कर सकते हैं यदि आप वास्तव में ग्रीक और हिब्रू पढ़ सकते हैं? क्या आप ऐसा 10 मिनट के भीतर कर सकते हैं? आप ही बताइये कैसी गलतियाँ? ठीक है, रुकिए, ठीक है, आप मुझे बता रहे हैं कि आप क्या मानते हैं लेकिन मैं यह नहीं पूछ रहा हूँ कि आप क्या मानते हैं। मैं यह कह रहा हूँ कि पांडुलिपियाँ क्या संकेत देती हैं? हमारे पास पांडुलिपियाँ हैं, आप इस पांडुलिपि की तुलना कर सकते हैं इसमें मार्क 16 है, इसमें मार्क 16 नहीं है। आप इसके साथ क्या करते हैं? एक के पास है, एक के पास नहीं है। 1 यूहन्ना 5:7 यह हमारी किसी भी प्राचीन पांडुलिपि में नहीं है। यह किंग जेम्स संस्करण में है। आप उससे क्या करते हैं? मैं आपसे बस इतना कहने की कोशिश कर रहा हूँ कि क्या शास्त्रियों ने गलतियाँ कीं? हाँ या नहीं? मैंने तुम्हें दिखाया है, क्या तुम लोगों को एहसास है कि मैंने तुम्हें वे गलतियाँ दिखाई हैं जो उन्होंने की हैं? मैंने आपको सीधे-सीधे बता दिया है कि आपके

पास वहां कोई विकल्प नहीं है, यह एक सच्चाई है।

अब ध्यान दें कि मैं यहीं बाइबिल के बगल में खड़ा हूँ। जब मैं नहीं जानता कि कोई चीज़ तथ्यात्मक है, तो मैं वहाँ चला जाता हूँ। मैं आपको बता रहा हूँ कि यह एक सच्चाई है। बात यह नहीं है कि आप मुझसे सहमत हैं या असहमत हैं। मैं आपको एक ग्रीक बाइबिल दे सकता हूँ और इसमें नीचे फुटनोट्स में समस्याओं की सूची दी जाएगी। अनेक यूनानी नये नियम ऐसा करते हैं। हिब्रू बाइबिल भी यही काम करती है। विभिन्न पाठन दर्शाते हैं कि शास्त्रियों ने गलतियाँ कीं। प्रत्येक लेखक जो एक हजार पृष्ठों की नकल करता है, गलतियाँ करता है।

अनुवादक गलतियाँ करते हैं [49:47-55:20]

दूसरे, क्या अनुवादक गलतियाँ करते हैं? क्या मैंने आपको आज अनुवादों में कुछ अंतर दिखाया? अनुवादक गलतियाँ करते हैं। इसलिए हमारे पास वहां कोई विकल्प नहीं है। तो हम क्या कह रहे हैं कि भगवान का शब्द निर्दोष है, लेकिन भगवान के शब्द में खामियां हैं। क्या नहीं हैं? वह किस बारे में बात कर रहा है? यही कारण है कि मैं इस पर जोर दे रहा हूँ क्योंकि यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। और दूसरे शब्दों में, वास्तव में एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण बिंदु है और मैं तीन दिनों से इसी के बारे में बात कर रहा हूँ, और मैं आपको इस मुद्दे को समझाने की कोशिश कर रहा हूँ। जब ईश्वर ने पैगम्बर से बात की तो क्या हम उसे प्रेरणा की प्रक्रिया कहते हैं? क्या प्रेरणा सौ प्रतिशत है? प्रेरणा है जब ईश्वर पैगम्बर से बात करता है, और पैगम्बर ने इसे लिख लिया; क्या यह सौ प्रतिशत वही है जो ईश्वर लिखवाना चाहता था? हाँ। परमेश्वर ने भविष्यवक्ता से बात की, परमेश्वर ने वही कहा जो उसका अभिप्राय था और भविष्यवक्ता ने उसे लिख दिया। इसलिए जब वह उद्धृत कर रहा है, तो मुझे लगता है कि जो मैं आपसे सुन रहा हूँ वह भजन 119 है। जब वह भजन 119 उद्धृत कर रहा है, जो सौ छंदों तक चलता है और कहता है कि प्रभु का कानून परिपूर्ण है। क्या यह ईश्वर द्वारा अपने लोगों से बात करने की प्रेरणादायक प्रक्रिया के बारे में बात कर रहा है? हाँ। क्या यह नकल की लिपिबद्ध प्रक्रिया के बारे में बात कर रहा है? नहीं, यह प्रेरणा की प्रक्रिया के बारे में बात कर रहा है और आपको उन प्रक्रियाओं को अलग करना होगा। वास्तव में मैं यही इंगित करने का प्रयास कर रहा हूँ। क्या कोई अनुवादक गलतियाँ कर सकता है? क्या इरास्मस जैसा व्यक्ति

16वीं शताब्दी में बाइबिल में एक कविता जोड़ सकता है? नहीं, क्या वह ऐसा कर सकता है, उसने ऐसा किया--1 यूहन्ना 5:7। अपने किंग जेम्स संस्करण में देखें। तो, मैं जो कह रहा हूँ आपको प्रेरणा की प्रक्रिया को अलग करना होगा जो त्रुटिहीन है, जो 100% है, जो भगवान का शब्द है, लेकिन जब आप इसे शास्त्रियों के हाथों में देते हैं, तो शास्त्री गलतियाँ करते हैं और अनुवादक भी गलतियाँ करते हैं।

वैसे, उसे कैसे पता कि अनुवादक गलतियाँ करते हैं? वह इस कक्षा में है। मुझे वास्तव में स्थूल होने के लिए खेद है, लेकिन क्या यहां किसी के पास एनएलटी है? ठीक है, यदि आप एनएलटी में देखेंगे तो आपको कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाएगा जिसने इसका अनुवाद किया है। प्रश्न, क्या आप जानते हैं कि मैं गलतियाँ करता हूँ? हाँ, मैं इस कक्षा में पहले ही 100 गलतियाँ कर चुका हूँ। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मैं एनएलटी पर अनुवादकों में से एक था। क्या मैं गलतियाँ करता हूँ? हाँ। क्या ईश्वर त्रुटिपूर्ण प्रक्रियाओं का उपयोग करता है? हाँ। क्या उसने मेरी प्रक्रिया का उपयोग किया? हाँ, उसने मेरा इस्तेमाल किया। इसलिए हां। [छात्र का प्रश्न] लेकिन मुझे लगता है कि आप बात भूल गए हैं और मैं यही कहना चाह रहा हूँ। आप जिस बारे में बात कर रहे हैं वह प्रेरणा की प्रक्रिया है। भगवान उस भविष्यवक्ता के लिए जो इसे लिखता है।

क्या आपमें से बाकी लोग समझते हैं कि मैं यहाँ क्या अंतर बताने की कोशिश कर रहा हूँ? कक्षा के बाद आएँ और हम इसके बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन वास्तव में आप उस सटीक बिंदु को भूल रहे हैं जो मैं यहाँ कहना चाह रहा हूँ। मैं जो करने का प्रयास कर रहा हूँ वह यह है कि आप उसे देख सकें, और शायद यही सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। यह संभवतः सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है जिसके बारे में मैंने अब तक बात की है।

पवित्र आत्मा की रोशनी [53:10-55:21]

अब उन्होंने प्रेरणा शब्द का इस्तेमाल किया। मैं एक अलग शब्द का उपयोग करना चाहता हूँ। मैं प्रेरित नहीं हूँ, ठीक है? मैं प्रेरित नहीं हूँ। मैंने रोशनी मांगी। दूसरे शब्दों में, रोशनी प्रेरणा से भिन्न है। रोशनी, और उसने एक अच्छी बात भी कही, क्या हम आत्मा से शब्द को समझने में मदद करने के लिए कहते हैं? इसे "रोशनी" कहा जाता है। अब, वैसे, क्या यह त्रुटिपूर्ण हो सकता है? क्या आपने

कभी ऐसा देखा है कि एक पादरी आपको कुछ और बताता हो और दूसरा आपको कुछ और । आपको दो अलग-अलग संदेश मिलते हैं. तो मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि आपको रोशनी से सावधान रहना होगा क्योंकि यह एक इंसान के माध्यम से आती है। क्या हर कोई सुनता है कि उसने क्या कहा? मैं बिल्कुल यही कहना चाह रहा हूं। प्रेरणा की प्रक्रिया दोषरहित, परिपूर्ण है और ईश्वर द्वारा पैगंबर से बात करने की प्रक्रिया, पैगंबर द्वारा इसे लिखने की प्रक्रिया एकदम सही है। लेकिन फिर क्या होता है कि 1000 या 2000 वर्षों में उस पुस्तक की प्रतिलिपि बनाई जाती है और कुछ लेखकों, हमारे पास मौजूद हर पांडुलिपि में पांडुलिपियों के बीच अंतर होता है। हमें इसे सुलझाना होगा। भगवान ने उन प्रक्रियाओं का उपयोग किया जिनमें समस्याएं थीं, और फिर, वैसे, अनुवाद होता है और आपको भाषाओं के बीच अनुवाद करने में समस्याओं का एक और सेट मिलता है। अब, क्या हम इसे पहले से बेहतर बनाने के लिए कई अनुवादों का उपयोग कर सकते हैं? लेकिन क्या प्रेरणा की दृष्टि से यह दोषरहित है? यह उस प्रारंभिक प्रक्रिया के समान स्तर पर नहीं है जिसके बारे में वे बात कर रहे हैं।

प्रेरणा की प्रक्रिया उत्तम है और इसलिए हमें इसमें अंतर करना होगा। यदि आप इसमें अंतर नहीं करते हैं, तो आप मृत मांस हैं। जब आप बाहर जाते हैं और इस पुस्तक के प्रत्येक शब्द को कहने का प्रयास करते हैं तो यहां कोई समस्या नहीं है, एक अच्छा विद्वान, आपकी धज्जियां उड़ा देगा। यह क्या है, क्या यह परमेश्वर के वचन की समस्या है या यह एनआईवी के अनुवादकों की समस्या है? यह एनआईवी के अनुवादकों के साथ एक समस्या है। किसी को एनएलटी पसंद नहीं है, वे इसे फाड़ देंगे और कहेंगे कि यह बाइबिल ईश्वर का वचन है, और फिर वे एनएलटी खोलेंगे और आपको एक समस्या दिखाएंगे। यह संभव है कि हिल्डेब्रांड्ट ने वह बात वहां लिखी होगी और वह गलत हो गया। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि मुझमें खामियां हैं और इसलिए मैं काम करता हूं और एनएलटी उसी का हिस्सा था।

भगवान अपने उद्देश्यों के लिए त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया और त्रुटिपूर्ण लोगों का उपयोग करता है

[55:22-58:33]

तो चलिए इसके माध्यम से चलते हैं। भगवान ने त्रुटिपूर्ण प्रक्रियाओं का उपयोग किया। उनकी प्रारंभिक प्रक्रिया प्रेरणा में कोई समस्या नहीं है। प्रोविडेंस ने इसे पूरी तरह से संरक्षित नहीं

किया। इन पांडुलिपियों के साथ वे भिन्न हैं, इसलिए भगवान ने इसे संरक्षित नहीं करने का फैसला किया। मैं आपको जो सुझाव दे रहा हूँ वह क्यों है? क्योंकि भगवान नहीं चाहते थे कि हम किसी किताब की पूजा करें, भगवान चाहते थे कि हम खुद की पूजा करें। इसलिए उसने जानबूझकर मूल प्रति खो दी, हमारे पास कोई मूल प्रति नहीं है। मूसा ने जो लिखा वह हमारे पास नहीं है। लेकिन फिर ये महत्वपूर्ण हो जाता है. यदि भगवान ने अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए त्रुटिपूर्ण प्रक्रियाओं का उपयोग किया, तो क्या भगवान अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मुझ, एक त्रुटिपूर्ण व्यक्ति का भी उपयोग कर सकते हैं। हाँ, और तब यह खुल जाता है कि ईश्वर अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए त्रुटिपूर्ण लोगों का उपयोग करता है , और हम उसमें संलग्न हो सकते हैं। मुझे वह अमीर लगता है.

इसलिए वह हमें अध्ययन करने और चीजों का पता लगाने के लिए कहते हैं और हमें अर्थ पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। हमें इसके अर्थ और हमारे जीवन पर इसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह भगवान का शब्द है। क्या हम 2,000 वर्षों में सबसे अच्छी स्थिति में हैं? 2,000 वर्ष. क्या हमारे पास बेहतर अनुवाद सिद्धांत हैं? क्या हमारे पास 2,000 वर्षों की तुलना में बेहतर पांडुलिपियाँ हैं? हम 2, हाँ, 3,000 वर्षों में किसी से भी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में हैं। लेकिन इसमें कैसी विडंबना है? हमारे पास अब तक की गई सर्वोत्तम पांडुलिपियों का सर्वोत्तम अनुवाद है। प्रश्न, क्या आपकी पीढ़ी इस पुस्तक का सम्मान करती है, या नहीं? क्या आप यहां विडंबना देखते हैं? दूसरे शब्दों में, बात और अधिक सटीक होती जा रही है। अब हम जानते हैं कि यह "चांदी का मैल" नहीं है, यह "शीशा" है। आप कहते हैं कि हम जानते हैं कि यह जितना हमने समझा है, उससे कहीं अधिक सटीक है, लेकिन फिर भी इस पीढ़ी के लिए बाइबल खिड़की से बाहर है।

हाँ, यह विश्वास का हिस्सा है, इसलिए वह इब्रानियों अध्याय 11 श्लोक 1 पर वापस जा रहा है और उसका अनुसरण कर रहा है, और वह मूल रूप से कहता है कि हमें विश्वास रखना है। तो जो मैं छोड़ना नहीं चाहता, और जिस बारे में उनकी टिप्पणियाँ बहुत सही हैं, वह यह है कि जब भगवान ने भविष्यवक्ताओं से बात की तो उन्होंने इसे लिखा, यह शत प्रतिशत है। यदि आप उसे खो देते हैं, यदि आप वह खो देते हैं जो वह सुझा रहा है, उसकी नींव, तो आप एक स्केटबोर्ड पर हैं जो

60 मील प्रति घंटे की गति से ढलान पर जा रहा है। आप जानते हैं कि आपमें से कुछ लोगों को चोट लग सकती है। इसलिए यदि आप इसे काट देते हैं तो आप बड़ी मुसीबत में हैं। हालाँकि, यदि आप शास्त्र संबंधी सामग्री और अनुवाद संबंधी समस्याओं के बारे में नहीं जानते हैं तो क्या आप दूसरी ओर से परेशानी में पड़ सकते हैं? क्योंकि एक आलोचक आपको फर्श पर गिरा सकता है, क्योंकि वे आपके चेहरे पर चीजें दिखा सकते हैं, और, ठीक है, उन्होंने आपको पकड़ लिया है।

लेकिन वे हमारे पास नहीं हैं क्योंकि भगवान ने अपना वचन सुरक्षित रखा है और यह अब भी उतना ही सटीक है। तो आपको उसके साथ काम करना होगा। हम 2,000 वर्षों में सबसे अच्छी स्थिति में हैं और यह आरामदायक है।

ईश्वर की ओर से हमारे लिए 4 प्रक्रियाएँ [58:34-59:27]

यहां प्रक्रियाएं हैं और मुझे इन चार प्रक्रियाओं के बारे में बताने दीजिए। प्रेरणा क्या यह 100% है? **प्रेरणा**, 100%, भगवान का वचन दोषरहित। **कैनोनाइजेशन** में वे आधिकारिक पुस्तकों को एक साथ इकट्ठा करते हैं। क्या हमें किताबें मिल गईं? हम लगभग यहूदियों को ईश्वर के लोगों के रूप में स्वीकार करते हैं। कैनोनाइजेशन पुस्तकों का संग्रह है और हम इसमें अच्छे हैं। **ट्रांसमिशन** क्या यहीं है जहां बार-बार कॉपी करने में कुछ समस्याएं आती हैं? हमारे पास सैकड़ों-हज़ारों पांडुलिपियाँ हैं जो एक-दूसरे से असहमत हैं और यहीं ऐसा होता है। आपके पास **अनुवाद के अलग-अलग सिद्धांत** होंगे और अलग-अलग अनुवादक होंगे और उनमें से कुछ अच्छे होंगे, कुछ बुरे होंगे। कुछ कभी अच्छे होंगे, कभी बुरे। क्या हम अनेक अनुवादों को देखकर विभिन्न अनुवादों की जाँच कर सकते हैं? तो यह ईश्वर की ओर से हमारे लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रियाएं हैं, और फिर से आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ, मेरा मतलब है कि यह इसी तरह है। इस बिंदु पर यह वास्तविक, ऐतिहासिक तथ्य है।

पुराने नियम का परिचय: संक्षिप्त ऐतिहासिक अवलोकन [59:27-59:57]

मुझे कूदने दो, और हम यहाँ तक कूदने जा रहे हैं। मैं वास्तव में अब जेनेसिस पर गौर करना चाहूंगा। ऐसा करने के लिए, उत्पत्ति 1 में कूदने से पहले, अब हम वास्तव में उत्पत्ति के पाठ में कूदने जा रहे हैं। उत्पत्ति शुरुआत की किताब है, और तुम लोगों ने इसे पढ़ा है। आज मैं जो करना

चाहता हूँ वह पहली और दूसरी कविता को कवर करना है; हम बहुत प्रगति करने जा रहे हैं। पहला और दूसरा पद, उत्पत्ति 1:1.

पुराने नियम के 9 महत्वपूर्ण मोड़ [59:58-76:08]

ऐसा करने से पहले, मैं पूरे पुराने नियम को नौ बिंदुओं में कवर करना चाहता हूँ। मैं पूरे पुराने नियम का सर्वेक्षण करना चाहता हूँ और फिर हम पहले दो छंदों में उत्पत्ति पर विचार करेंगे। तो नौ चरणों में पूरी बड़ी तस्वीर: सबसे पहले, आपके पास वह है जिसे वे आदिकालीन इतिहास कहते हैं। अब, आदिम इतिहास क्या है? **आदिकालीन इतिहास** उत्पत्ति 1 से 11 तक है। यह इब्राहीम से पहले का समय है। तो इसमें क्या शामिल होगा? आदम और हव्वा, नूह और बाढ़, बाबेल की मीनार, ये मूल रूप से बड़ी चीज़ें हैं। आदम और हव्वा, नूह और जलप्रलय, बाबेल की मीनार, यह सब उत्पत्ति के पहले ग्यारह अध्यायों में है। वे इसे इब्राहीम से पहले का आदिकालीन इतिहास कहते हैं।

इब्राहीम की तिथि क्या है? 2,000 ईसा पूर्व इस कक्षा में मैं कोई बड़ी तारीख वाला व्यक्ति नहीं हूँ, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इस कक्षा के बारे में पांच या छह तारीखें जानें। यह सचमुच कठिन है, इब्राहीम 2,000 ई.पू. क्या आप इससे सहमत हैं? इब्राहीम के 2,000 मैं चाहता हूँ कि आप वह तारीख जानें।

फिर क्या होता है? फिर आपके पास कुलपतियों का काल है : अब्राहम। इब्राहीम, यहाँ गॉर्डन में हम उसे अपना पिता कहते हैं, *हमारे पिता इब्राहीम* को एक छोटा सा विज्ञापन देने के लिए, इसहाक उसका पुत्र था। क्या कभी किसी ने "यित्ज़ाक राबिन" के बारे में सुना है?--यित्ज़ाक (इसहाक) राबिन। इज़राइल में आज यित्ज़ाक राबिन नाम का एक लड़का है। *यित्ज़ाक* का अर्थ है "हँसी" और आप लोग इसका उच्चारण इसहाक करते हैं, लेकिन यह वास्तव में यित्ज़ाक है। इसका अर्थ है "हँसी।" इस प्रकार इब्राहीम का इसहाक नाम का एक पुत्र हुआ। ईमानदारी से कहूँ तो इसहाक एक बहुत छोटा किरदार है। जैकब बड़ा है क्योंकि जैकब का नाम बदल कर क्या हो गया? इज़राइल। फिर वह क्या पैदा करता है? 12 जनजातियाँ। ठीक है, तो आपके पास इब्राहीम, इसहाक और याकूब हैं, जहाँ से इसराइल की 12 जनजातियाँ आती हैं: यहूदा, लेवी, शिमोन, एप्रैम, मनश्शे, आदि और यूसुफ तक। तो वे पितृपुरुष हैं।

कुलपतियों के बाद वे मिस्र और निर्गमन में जाते हैं। स्मरण रखें कि यूसुफ मिस्र में था, भाई और पिता, याकूब, मिस्र आये। वे लगभग 400 वर्षों तक मिस्र में निवास करते रहे। मैं नहीं चाहता कि आप तारीख जानें। फिर उन्हें मिस्र से कौन निकालता है? ओह, आप कहते हैं कि भगवान उन्हें मिस्र से बाहर लाता है। हाँ, वह कुछ विपत्तियाँ फैलाता है और लाल सागर को विभाजित कर देता है। वह उन्हें मूसा के हाथ से बाहर लाता है। मूसा के बारे में 1400 और 1200 ईसा पूर्व के बीच एक बड़ी बहस हुई है, मैं नहीं चाहता कि आप इस बिंदु पर इसे जानें क्योंकि जब हम निर्गमन की पुस्तक पर पहुंचेंगे तो हम इस पर बहस करेंगे। तारीख के बारे में एक बड़ी बहस है कि क्या वह 1400 ईसा पूर्व या 1200 ईसा पूर्व थी जब वे बाहर आए थे। अब इसकी चिंता मत करो. निर्गमन, पुराने नियम का महान मुक्तिदायक कार्य है। नये नियम में महान मुक्तिदायी कार्य क्या है? यह यीशु हमारे पापों के लिए क्रूस पर मर रहा है। पुराने नियम में महान मुक्तिदायी कार्य यह है कि मूसा ने लोगों को मिस्र की गुलामी के बंधन से बाहर निकाला और स्वतंत्रता के लिए ईश्वर का कानून प्राप्त करने के लिए सिनाई पर्वत पर भेजा। अतः मूसा पुराने नियम का उद्धारकर्ता है। वैसे नहीं, जैसे यीशु थे। आप जानते हैं कि यीशु यीशु थे। लेकिन मूसा वह व्यक्ति था जिसने मुक्ति का नेतृत्व किया। मिस्र से निकलने के बाद वे चालीस वर्ष तक जंगल में भटकते रहे।

कनान का निपटान [जोशुआ/न्यायाधीश]। उन्होंने यहोशू और न्यायाधीशों में कनान पर कब्जा कर लिया और बस गए। उन्होंने जेरिको पर कब्जा कर लिया। वे ऐ, हासोर, गिबोन और अन्य स्थलों तक जाते हैं। तो यहोशू और न्यायाधीशों की पुस्तक। जजों में अराजकता होने वाली है। वे ज़मीन को आबाद करने की कोशिश करते हैं, कभी-कभी यह काम करता है, कभी-कभी यह काम नहीं करता है। कभी-कभी न्यायाधीश उठ खड़े होते हैं और मिद्यानियों को मारते हैं, और अम्मोनी वापस आते हैं और उन्हें कोड़े मारते हैं। तो यह न्यायाधीशों के साथ कुछ समस्याओं के साथ आगे-पीछे होने जैसा है। लेकिन फिर भी वे सी आनन देश में ले जाकर बस जाते हैं। फिर वे थोड़ी देर के लिए शांत हो जाते हैं, और कहते हैं, क्या आप जानते हैं कि हमें क्या चाहिए? हमारे पास कोई नेता नहीं है। हमें एक राजा की जरूरत है। तो अगला काल वह है जिसे वे **संयुक्त राजशाही का काल कहते हैं**। संयुक्त राजतन्त्र का क्या अर्थ है? इजराइल एक साथ है, सभी 12 जनजातियाँ, 13 जनजातियाँ एक साथ। इजराइल का पहला

राजा कौन है? शाऊल. वह कैम्पस में सचमुच एक बड़ा आदमी है, वह सचमुच बहुत बड़ा है। शाऊल पहला राजा है. शाऊल को कुछ समस्याएँ हैं और इसलिए दाऊद ने कार्यभार संभाला। दाऊद परमेश्वर के हृदय के अनुसार चलने वाला व्यक्ति है। डेविड तो फिर एक और तारीख है जिसके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूँ। यह बहुत, बहुत कठिन है डेविड का 1000 ईसा पूर्व इब्राहीम क्या है? 2000 ईसा पूर्व डेविड क्या है? 1000 ईसा पूर्व अब डेविड का एक बेटा है जिसका नाम *शेलोमो* है। मेरा मतलब सोलोमन से है. उसका असली नाम *शेलोमो* है, लेकिन दुर्भाग्य से आप लोग उसे सोलोमन कहते हैं। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जब मैं उसका नाम *शेलोमो कहता हूँ*, तो आप लोग हिब्रू जानते हैं, जब मैं *शेलोमो कहता हूँ*, तो क्या आप शब्द सुनते हैं? *शेलो-मो. शेलो-मो.* हाँ, एस *हलोम*। ठीक है, क्या सुलैमान के नाम का मतलब *शालोम* है? इसका क्या अर्थ है? सुलैमान किस जाति का मनुष्य था? शांति। उसका नाम *शेलोमो* भी रखा गया, उसका नाम "शांति" था। दाऊद और सुलैमान के साथ क्या होता है, वे भजन और नीतिवचन करते हैं। दाऊद भजन करता है, सुलैमान नीतिवचन करता है, सुलैमान कुछ भजन भी करता है, परन्तु शाऊल, दाऊद और सुलैमान क्या हैं? वे इज़राइल की संयुक्त राजशाही के तीन बड़े राजा हैं। उन्होंने सम्पूर्ण राष्ट्र पर शासन किया, इसलिये इसे संयुक्त राजतंत्र कहा जाता है।

जैसे ही मैं संयुक्त राजशाही कहता हूँ तो अंदाजा लगा लीजिए कि आगे क्या होने वाला है? **विभाजित राजशाही** . ठीक है, और इसलिए आगे हमें विभाजित राजतंत्र मिलेगा। शाऊल, दाऊद और सुलैमान के बाद क्या हुआ? सुलैमान अपने जीवन के अंत में उन सभी महिलाओं के साथ खिलवाड़ करता है और नीचे चला जाता है। मूलतः परमेश्वर राज्य को उत्तर और दक्षिण में विभाजित करता है। उत्तर इसराइल है, दक्षिण यहूदा है। उत्तर में दस जनजातियाँ, दक्षिण में युगल जनजातियाँ, प्लस या माइनस। उत्तर में दस जनजातियाँ इस्राएल कहलाती थीं और दक्षिण में यहूदा। तो फिर आपके पास क्या है? उत्तर में राजाओं की एक श्रृंखला, उनमें से हर एक बुरा होने वाला है। आप जानते हैं सबसे उत्कृष्ट व्यक्ति कौन है? अहाब और इज़ेबेल. ठीक है, उत्तर के सभी राजा बुरे हैं। दक्षिण के राजाओं में हिजकिय्याह जैसे कुछ अच्छे राजा होंगे। कुछ अच्छे, अधिकतर बुरे, लेकिन कुछ अच्छे भी थे।

तो अब समस्या यह है कि हमारे पास उत्तर में बहुत सारे राजा हैं और दक्षिण में बहुत सारे

राजा हैं। अब राजाओं को लाइन में कौन रखता है? आप यह कहने जा रहे हैं कि भगवान चीज़ों को व्यवस्थित रखता है। परन्तु परमेश्वर राजाओं को किस प्रकार एक पंक्ति में रखता है? परमेश्वर राजाओं को लाइन में रखने के लिए किन लोगों का उपयोग करता है? **भविष्यवक्ता**। अब मैं तुम्हें भविष्यवक्ताओं की पुस्तकें पढ़ाने जा रहा हूँ। ठीक है, तो यहाँ भविष्यवक्ताओं की पुस्तक का सारांश है। मैं इसे एक शब्द में करने जा रहा हूँ। पैगम्बरों का यही सन्देश है। एक शब्द: पश्चाताप। पैगम्बर का काम राजा के पास जाकर क्या करना था? उसे पश्चाताप करने के लिए कहो। भविष्यवक्ता ऊपर गया और उसने राजा की नाक पर अपनी आकृति चिपका दी और उसने उससे पश्चाताप करने को कहा। तो फिर राजा क्या करता है? भविष्यवक्ता या राजा को कौन जीतता है? आप लोग नए नियम से परिचित हैं, और इसलिए आइए अंतिम भविष्यवक्ताओं में से एक के बारे में जानें। वह राजा के पास गया और उसका नाम जॉन था। उसका क्या नाम था? जॉन बैपटिस्ट, और वह राजा के पास जाता है और वह कहता है, "राजा, आपको यह पत्नी मिली है" और वह कहता है, "पश्चाताप करो।" राजा क्या कहता है? "ठीक है, मुझे वह पसंद नहीं है, मेरी पत्नी को वह पसंद नहीं है, इसलिए आपका दिमाग खराब हो गया है।" और इसलिए जॉन बैपटिस्ट हार गया। और वैसे क्या यिर्मयाह ने भी वैसा ही किया? जब आप लोग यिर्मयाह की पुस्तक पढ़ेंगे, तो हम केवल यिर्मयाह पर प्रकाश डालेंगे। यिर्मयाह यह मूलतः कहता है, वह परमेश्वर के पास आता है और कहता है, "प्रभु यों कहता है।" यिर्मयाह राजा के पास जाता है, "यहोवा यों कहता है, मन फिराओ, नहीं तो तुम बेबीलोन में बन्धुआई में डाल दिए जाओगे।" यिर्मयाह वापस जाता है और परमेश्वर कहता है, "यहोवा यों कहता है।" परन्तु जब भी यिर्मयाह कहता है, "पश्चाताप करो," तो राजा उसके साथ क्या करता है? उसकी पिटाई होती है। तो थोड़ी देर बाद वह कहता है, "हे भगवान, पिछली बार जब मैंने कहा था, भगवान यों कहते हैं, मुझे तीन दिनों के लिए एक सेप्टिक टैंक में डाल दिया गया था और मैं लगभग उसमें डूब गया था, और तीन दिनों के बाद यह सिर्फ हर किसी का नहीं था सामान, लेकिन कुछ मेरा अपना सामान था। मैं सेप्टिक टैंक में था। मैं जो कह रहा हूँ वह असली बात है। बाइबिल में यही हुआ है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है: यिर्मयाह उस सेप्टिक टैंक में लगभग मर गया था। वह भगवान के पास वापस आता है और कहता है, "हे भगवान, मुझे सेप्टिक टैंक बहुत पसंद है, आइए इसे फिर से करें।" नहीं, वह भगवान के पास वापस आता है और कहता है, "अरे, शायद हम थोड़ा

पानी बोर्डिंग कर सकते हैं, या कुछ ऐसा जो सेप्टिक टैंक से बेहतर होगा? मुझे क्षमा करें, मुझे सीधा होने दीजिए।" अब, ठीक है, वह भगवान के पास वापस आता है और कहता है, "हे भगवान, जब भी मैं आपके नाम पर बोलता हूँ तो मुझे पीटा जाता है।" वह भगवान के पास वापस आता है और वह यह बात सीधे भगवान से कहता है। वह कहते हैं, "यह बुरा है, हर बार जब मैं वहां जाता हूँ और प्रभु का वचन कहता हूँ तो मुझे पीटा जाता है।" और उसने शिकायत की, "मैं इससे थक गया हूँ।" क्या भविष्यवक्ताओं को पीटा गया? हाँ।

क्या आपने सुना यशायाह के साथ क्या हुआ? यशायाह राजा मनश्शे से भाग रहा था। अफवाह यह है कि वह एक पेड़ की खोह में जाकर छिप गया। सही। उन्होंने पैगम्बर को एक पेड़ में छिपा हुआ पाया। क्या आप जानते हैं उन्होंने क्या किया? उन्होंने एक आरी निकाली और कहा, इसे देखो, और उन्होंने उसे और पेड़ को आधा काट दिया। ठीक है, वह भविष्यवक्ता यशायाह है। आप कहते हैं महान भविष्यवक्ता यशायाह, जिसने प्रभु और सब कुछ देखा। हाँ, जिस पेड़ में वह दुष्ट राजा से छिपा हुआ था, उसमें से दो में आरी चला दी। अब यह अच्छा नहीं है। मैं बस आपको यह बताना चाहता हूँ कि क्या भविष्यवक्ताओं का जीवन कठिन था? क्या मेरे मन में भविष्यवक्ताओं के प्रति सम्मान है, और क्या हमें इन लोगों के प्रति सम्मान रखना चाहिए? हां, उन्होंने अपनी जान जोखिम में डाल दी।

तो भविष्यवक्ता राजा के साथ युद्ध करते हैं और कौन जीतता है? मैंने आपको यह दिखाने की कोशिश की, राजा जीतता है। हालाँकि, आखिर में जीत किसकी होती है? हाँ, भविष्यवक्ता अंत में राजा के पास जाता है और कहता है, "अरे, तुमने मेरे साथ खिलवाड़ किया, तुम दो साल में मर जाओगे।" और सोचो क्या होता है? ओह, हाँ, यह सही है जब आप युद्ध के लिए बाहर जाते हैं, प्रभु आपको आशीर्वाद देते हैं, आपके लिए अच्छा है, युद्ध के लिए बाहर जाते हैं, हाँ ऐसा करते हुए जाओ। भगवान कहते हैं युद्ध में तुम मर गये। सोचो क्या होता है? अहाब. बूम, तीर, आपका काम हो गया। ठीक है, तो मुझे उससे छुटकारा पाने दीजिए।

उत्तरी जनजातियों में क्या होता है? हमें इसराइल का उत्तरी राज्य, यहूदा का दक्षिणी राज्य मिला है। कुछ-कुछ अमेरिका की तरह; उत्तर और दक्षिण। उत्तरी राज्य, दस जनजातियाँ, वे दस जनजातियाँ अश्शूर की ओर ले जाये जाती हैं। असीरिया कहाँ है? असीरिया की राजधानी क्या है?

नीनवे. जैसे ही मैं नीनवे कहता हूँ, मन में कौन आता है? जोना और व्हेल, यह जोना और व्हेल के पीछे की कहानी है। इसलिए वे 722 ईसा पूर्व में उत्तरी राज्य असीरिया चले गए, उत्तर में दस जनजातियों को नीनवे में ले जाया गया और पूरी दुनिया में फैला दिया गया। वे दस गोत्र कब से बिखरे हुए हैं? क्या वे आज तक बिखरे हुए हैं? बताओ इस दुनिया में सबसे ज्यादा यहूदी कहाँ रहते हैं? न्यूयॉर्क शहर। यही सच्ची सच्चाई है. तो उनमें से बाकी आधे लोग कहाँ रहते हैं? इज़राइल में और वैसे, क्या इज़राइल में रहने को लेकर क्षितिज पर बड़ी समस्याएं हैं? क्या आप देखने जा रहे हैं, मैं कोई ऐसा बड़ा भविष्यवक्ता नहीं हूँ, मैं यहां से चलने वाला हूँ। मैं आपको बस इतना बताना चाहता हूँ कि क्या अगले चार वर्षों में इज़राइल को यहां परेशानी होने वाली है? क्या अभी ऐसे लोग हैं जो हथियार विकसित कर रहे हैं? और वास्तव में क्या उन्होंने ईरान में 60 वाट बिजली वाला परमाणु ऊर्जा संयंत्र खोला है, और क्या वे शीघ्र ही उस परमाणु ऊर्जा संयंत्र को 1,000 मेगावाट तक बढ़ा रहे हैं? यह अब पहले से ही उत्पादन कर रहा है। ऐसा क्या था, दो दिन पहले, कि उन्होंने इसकी घोषणा कर दी? ईरान परमाणु सामान का उत्पादन कर रहा है. प्रश्न, क्या उन्होंने पहले ही कहा है कि वे इज़राइल के पूर्ण विनाश के इच्छुक हैं [उनके शब्द]? मुझे डर है कि आप यहां गॉर्डन में अपने समय में यह देखने जा रहे हैं। आप ऐसा कुछ घटित होते हुए देखने जा रहे हैं। वैसे, मैं इसे यूं ही नहीं बना रहा हूँ। मुझे यह कैसे कहना चाहिए, मैं वास्तव में इन चीजों का अध्ययन कर रहा हूँ, और यह वास्तव में बहुत बुरा है। मैं नहीं जानता, मेरा अनुमान है कि आप भगवान को ऐसे काम करते हुए देखेंगे जो अविश्वसनीय है। क्योंकि, क्या परमेश्वर अपने लोगों को पूरी तरह से नष्ट होने देगा? नहीं, और इसलिए कुछ शानदार होने वाला है। मुझे नहीं पता, मेरा अनुमान है, मुझे उतरने दो, वह सब अनुमान था। वह सब अनुमान था, क्या आप इसे समझते हैं? लेकिन, क्या उत्तरी जनजातियाँ आज तक बिखरी हुई हैं?

क्या बाइबल में कहा गया है कि उत्तरी जनजातियाँ वापस एक साथ इकट्ठी की जाएंगी? लगभग 3,000 वर्षों के बाद, क्या यहूदी जनजातियाँ फिर से एकत्रित हो गई हैं? बाइबल ने भविष्यवाणी की थी कि उन्हें वापस इकट्ठा किया जाएगा और निश्चित रूप से वही हुआ। 1948 में, ऐसा होने के लिए आपको कुछ हज़ार वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। क्या परमेश्वर का वचन दोषरहित है? क्या भगवान ने जो कहा वह होगा? और इसके लिए 2,000 साल इंतज़ार करना पड़ा.

वैसे क्या आप मुझे किसी ऐसे देश के बारे में बता सकते हैं जो 2,000 साल तक बिखरा हुआ था और फिर से एक देश बन गया? कृपया मुझे कोई और बताएं? हमने कितने देशों में ऐसा किया है? इजराइल। क्या किसी ने मृत भाषा को भी पुनर्जीवित किया है? इजराइल को छोड़कर एक भी नहीं।

तो आगे क्या होगा, अब उत्तरी साम्राज्य को अशूर, 722 ईसा पूर्व, यहूदा के दक्षिणी साम्राज्य में ले जाया गया है। अब यहूदा के दक्षिणी राज्य के साथ क्या समझौता है? इसकी राजधानी यरूशलेम में है, और 586 ईसा पूर्व में बेबीलोनियाई आए और उन्होंने 586 में पहले मंदिर को नष्ट कर दिया। इस मंदिर का निर्माण किसने कराया था? सोलोमन. सुलैमान ने 1000 ईसा पूर्व के ठीक बाद मंदिर का निर्माण कराया। 586 में बेबीलोन के लोग आए। क्या उन्होंने मंदिर को पूरी तरह से समतल कर दिया? उन्होंने मंदिर को पूरी तरह से समतल कर दिया। वे सन्दूक को बाहर खींचते हैं। यह समुद्र, यह विशाल कांस्य समुद्र, उन्होंने इसे टुकड़ों में काट दिया, और पूरी चीज बिल्कुल समतल हो गई। वे बाबुल में निर्वासन के लिए जाते हैं। वैसे बेबीलोन कौन जाता है? एक आदमी का नाम, उसका नाम क्या था जिसे शेर और मांद पसंद थे? दानिय्येल, शद्रक, यहजेकेल, और वह सब जो बेबीलोन में घटित होता है।

अब, वैसे, क्या यिर्मयाह भविष्यवक्ता ने उन्हें बताया कि वे बेबीलोन जा रहे थे? क्या यिर्मयाह ने उन्हें यह भी बताया था कि वे वहाँ केवल 70 वर्षों तक रहेंगे? और तो सोचो क्या होता है ? बेबीलोन में 70 वर्षों के बाद वे वापस आये, वापसी। एज्रा, नहेमायाह, और एस्तेर और आपके पास महान लोगों के वापस आने की कहानियाँ हैं। यहूदी बेबीलोन से मुक्त हो गए और वे भूमि पर लौट आए। नहेमायाह ने दीवारें बनाई और इनमें से कुछ लोगों ने दूसरा मंदिर बनाया। दूसरा मंदिर क्यों महत्वपूर्ण है? पहला मंदिर टूटता है, दूसरा मंदिर बनता है। दूसरा मंदिर इतना महत्वपूर्ण क्यों है? दूसरे मंदिर में कौन आता है? यीशु. यह मंदिर है, ये लोग दूसरे मंदिर के निर्माण में शामिल हैं। यीशु उसमें आएंगे, इस मंदिर को नष्ट करेंगे, और कितने दिनों में? तीन दिन में वह इसे उठाएगा, वह यीशु है। अंततः मलाकी, 400 ईसा पूर्व में, पुराने नियम को 400 ईसा पूर्व में समाप्त करता है

अब यीशु के साथ 400 ईसा पूर्व और शून्य के बीच क्या होता है? हाँ, तभी एपोक्रीफा लिखा गया था। इसलिए यदि आप जानना चाहते हैं कि उन 400 वर्षों में क्या हुआ था तो आपको 1 और 2 मैकाबीज़ जैसा कुछ पढ़ना होगा, वे उस अवधि का इतिहास बताते हैं। लेकिन पुराना नियम 400

ईसा पूर्व मलाकी के साथ समाप्त होता है

और आप कहते हैं, हिल्डेब्रांट, इस पाठ्यक्रम के लिए हमें क्या जानने की आवश्यकता है? यह वास्तव में कठोर है; आप अब तक तीन तारीखें क्या जानना चाहते हैं। तीन तिथियाँ: इब्राहीम 2000 ईसा पूर्व, डेविड 1000 ईसा पूर्व, मलाकी 400 ईसा पूर्व क्या यह कठिन है? 2000, 1000, 400 ईसा पूर्व, और यह आपको पुराने नियम के लिए एक तरह की रूपरेखा प्रदान करता है।

रचना [76:09-79:30]

तो, अब मैं सृजन के बारे में यह दूसरी चीज़ स्थापित करना चाहता हूँ। सृजन, तो क्या? क्या इससे कोई फ़र्क पड़ता है कि दुनिया बनाई गई थी या क्या पूरी चीज़ सिर्फ विकास की प्रक्रिया है? क्या इससे कोई फ़र्क पड़ता है कि दुनिया बनाई गई या दुनिया अभी-अभी विकसित हुई है? क्या इससे कोई फ़र्क पड़ता है? इसका जवाब है हां ये बहुत बड़ी बात है.

क्या ईश्वर अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विकासवादी प्रक्रियाओं का उपयोग कर सकता था? हाँ, वह कर सकता था। क्या कोई बड़ी बहस चल रही है? क्या आपके पास कुछ ऐसे लोग हैं जो सृजनवादी हैं और कहते हैं कि भगवान ने वाम-बम बनाया, और सब कुछ वैसे ही बनाया गया जैसा वह था? क्या अन्य लोग अधिक विकासवादी प्रक्रियाओं का सुझाव देते हैं जैसे मैं आप में से कुछ लोगों को देखता हूँ, कुछ की आंखें नीली हैं, कुछ की भूरी आंखें हैं, आप में से कुछ के रंग अलग-अलग हैं। प्रश्न क्या यह समय के साथ विकसित हुआ, उदाहरण के लिए आँखों के विभिन्न रंग? आप कितने विकास की अनुमति देते हैं? क्या ऐसे कुछ ईसाई हैं जो मानते हैं कि ईश्वर ने रचना की लेकिन बड़े पैमाने पर प्रक्रिया के रूप में विकास का उपयोग किया? हां, कुछ लोग इसी रास्ते पर चलते हैं। अन्य लोग और भी हैं, आप जानते हैं कि भगवान ने सृजन किया, सृजन किया, सृजन किया, और यही था और यह एक तरह का काम था। तो वास्तव में आपको ईसाई चर्च के भीतर यह बड़ी बहस देखने को मिलती है। यहां तक कि, क्या हमारे यहां गॉर्डन कॉलेज में इस बात पर भी बहस होती है कि आप इनमें से कुछ चर्चाओं में विकासवादी प्रक्रियाओं को कितना और कैसे मापते हैं।

यह आपके वेल्टान्सचाउंग को कैसे प्रभावित करता है? यह आपके विश्वदृष्टिकोण को कैसे

प्रभावित करता है? मुझे यह शब्द वेल्त्सचाउंग पसंद है। यह एक जर्मन शब्द है जिसका अर्थ है "विश्वदृष्टिकोण।" यदि आप स्वयं को ईश्वर की छवि में निर्मित मानते हैं, तो क्या यह "मैं बंदरों से विकसित हुआ" से बहुत भिन्न है। मेरा मतलब है, यह आपके विश्वदृष्टिकोण को प्रभावित करता है। बाइबल विकासवादी प्रक्रियाओं के बारे में बात क्यों नहीं कर सकती? विकासवादी प्रक्रियाएँ, उन चीज़ों के बारे में कब बात की गई थी? क्या यह 19वीं सदी में था, है ना? उस लड़के का नाम क्या है? हाँ, चार्ल्स डार्विन। तो दूसरे शब्दों में, मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि बाइबल में कोई विकासवादी प्रक्रिया नहीं है क्योंकि उन्हें इस चीज़ के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। जिनका विकास 19^{वीं} और 20^{वीं} शताब्दी में हुआ था। हां, यह संभव है कि भगवान ने उन्हें अब हम जो जानते हैं उससे कहीं अधिक बातें बतायी हों। हमारे पास केवल बाइबल है, परमेश्वर मूसा को और भी बहुत कुछ दिखा सकता था। मुझे यहाँ चलना है। परमेश्वर मूसा के साथ व्यवहार कर रहा है। क्या परमेश्वर ने मूसा के साथ आमने-सामने व्यवहार किया? और परमेश्वर मूसा से कह रहा है, ठीक है पहले दिन मैंने यह किया। मैं सोच रहा हूँ कि क्या उसने 3-डी वीडियो चलाया है, और भगवान कह रहे हैं, "ठीक है, यह देखो मूसा, मैंने यही किया है। हमने इसे एक स्क्रीन पर कैद किया। अब आप समझ गए हैं कि यह सब मैंने बस बनाया है, लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि वह जो कह रहा है वह वास्तव में अच्छा है। क्या यह संभव है कि मूसा जितना ईश्वर ने उसे दिखाया उससे अधिक जानता था? उसने जो लिखा उससे अधिक? मैं उस पर अपना घर दांव पर लगाऊंगा, हां। लेकिन अब मुझे नहीं पता कि उसने उसे क्या दिखाया, और उसने ऐसा कैसे किया, लेकिन यह वास्तव में एक अच्छी बात है।

पृथ्वी की आयु [79:30-80:25]

बाइबिल के अनुसार पृथ्वी कितनी पुरानी है? यह सचमुच एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। आप लोग अभी उत्पत्ति 1 से 11 तक पढ़ चुके हैं। बाइबल में बताया गया है कि पृथ्वी कितनी पुरानी है? क्या किसी के पास इस पर कोई श्लोक है? कृपया मुझे एक श्लोक दीजिए? क्षमा करें, यह एक प्रश्नोत्तरी है, क्या आपने उत्पत्ति 1 से 11 पढ़ी है? बाइबल में बताया गया है कि पृथ्वी कितनी पुरानी है? सात दिन वह कहती हैं, यह एक अच्छा उत्तर था। क्या बाइबल आपको बताती है कि पृथ्वी कितनी पुरानी है? क्या संपूर्ण बाइबल में कोई ऐसी आयत है जो आपको यह बताती हो? शून्य, ऐसा नहीं होता। क्या हम बाइबल के आधार पर जानते हैं कि पृथ्वी कितनी पुरानी है? हम यह नहीं जानते। बाइबिल नहीं

कहती. अब, वैसे, क्या यह बहुत महत्वपूर्ण प्रवेश है? संपूर्ण बाइबल में ऐसी कोई आयत नहीं है जो यह बताती हो कि पृथ्वी कितनी पुरानी है। तो यह नीचे उतरने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदु है।

उत्पत्ति 1:1 और 1:2 [80:26-81:38]

अब, अगली बार मैं जो करना चाहूँगा वह है उत्पत्ति 1:1 और उत्पत्ति 1:2 के संबंध पर गौर करना। “आदि में परमेश्वर ने” क्या बनाया?—“आकाश और पृथ्वी।” और पृथ्वी" क्या थी? - "निराकार और खाली थी और गहरे तक अंधकार था।" उत्पत्ति 1:1 का उत्पत्ति 1:2 से क्या संबंध है? हम इससे निपटने के तीन अलग-अलग तरीकों पर गौर करेंगे और फिर डायनासोर, शैतान और बिग फुट के निहितार्थों को कवर करेंगे। अब, बाइबिलरॉबिक्स। सब लोग ऊपर. हमें आप लोगों के लिए इस बाइबिलरॉबिक्स को समाप्त करना है, इसलिए हम इसे यहां कई बार देखेंगे।

ब्रिटनी मैटियोली द्वारा प्रतिलेखित
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादित